छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg No-CHHHIN/2020/87351

वर्ष - 05 अंक - 60 बैकुंठपुर, शुक्रवार 29 नवम्बर 2024 पृष्ठ -8 मूल्य -1

www.cgfrontline.com

निफ्टम की टीम ने जशपुर, मनोरा, सन्ना, दुलदुला और कुनकुरी विकासखंड का किया निरीक्षण

जशपुर जिले में की जाने वाली विभिन्न प्रकार के खेती की ली जानकारी

छ.ग.फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान निफ्टेम, कुंडली, सोनीपत, हरियाणा राज्य के प्रो. प्रसन्ना कुमार के मार्गदर्शन में ग्राम अंगीकरण कार्यक्रम वीएपी के 10 बी.टेक. छात्रों का एक टीम 18 नवंबर 2024 से जशपुर के 9 दिवसीय दौरे पर था। कलेक्टर रोहित व्यास एवं जिला पंचायत सीईओ अभिषेक कुमार के मार्गदर्शन में टीम ने जिले जशपुर, मनोरा, सन्ना, दुलदुला और कुनकुरी ब्लॉकों में कृषि, बागवानी, वृक्षारोपण, नकदी फसलों और लघु वनोपज के विभिन्न स्थानों का दौरा किया और उत्पादकों के लिए प्रसंस्करण और उद्यम विकास के माध्यम से अपने उत्पाद में मूल्य जोड़ने के समाधानों की पहचान करने का प्रयास किया। इस दौरान टीम की गतिविधियों को एनआरएलएम के जिला मिशन प्रबंधक श्री विजय शरण प्रसाद, मेसर्स जय जंगल फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के निदेशक श्री समर्थ जैन, ग्रामीण शिक्षा एवं विकास सोसायटी (रीड्स-नाबार्ड), जशपुर के श्री राजेश गुप्ता उपस्थिति थे

दौरे के अंतिम दिन टीम ने जशपुर जिले में खाद्य प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन के लिए बुनियादी ढांचे के विकास की तकनीकी रणनीतियों पर एक रिपोर्ट जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक कुमार को सौंपी। इस अवसर पर प्रो. प्रसन्ना कुमार ने आश्वासन दिया कि निफ्टम कुंडली जिले में खाद्य प्रसंस्करण के लिए बुनियादी सुविधाओं की स्थापना में सभी तकनीकी सहायता और सहायता देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि महुआ फूल, बाजरा और कुट्टू से अनूठे मूल्यवर्धित उत्पादों के उत्पादन में नवाचार के माध्यम से जशपुर जिले में ऐसे आला बाजारों में प्रवेश करने की क्षमता है जहां उपभोक्ता अविश्वसनीय रूप से वास्तविक पोषण मूल्य, स्वाद, सुगंध और रंग वाले खाद्य उत्पाद पसंद करते हैं। सीईओ अभिषेक कुमार ने कुंडली स्थित निफ्टेम की वीएपी टीम के प्रयासों की सराहना की और सलाह दी कि वीएपी टीम को स्थानीय समुदायों के साथ मिलकर भागीदारी मॉडल बनाना होगा। ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि खाद्य क्षेत्र में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए उठाए गए कदम सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील, सामाजिक रूप से स्वीकार्य और आर्थिक रूप से व्यवहार्य हों। उन्होंने महसूस किया कि मौजूदा खाद्य प्रसंस्करण सुविधाओं के प्रभावी उपयोग और खाद्य प्रसंस्करण पर केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं जैसे पीएमएफएमई, कोल्ड चेन, खाद्य प्रसंस्करण, संरक्षण क्षमता सृजन, विस्तार यूनिट स्कीम, ऑपरेशन ग्रीन्स आदि के लाभों का दोहन करके आवश्यक खाद्य प्रसंस्करण बुनियादी ढांचा सुविधाएं बनाई जा सकती हैं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन किसानों, प्रसंस्करणकर्ताओं और खुदरा विक्रेताओं को एक साथ लाकर कृषि उत्पादन को बाजार से जोड़ने के लिए एक तंत्र प्रदान करने के लिए निफ्टेम की विशेषज्ञता की मांग करेगा ताकि मूल्य संवर्धन को अधिकतम किया जा सके, बर्बादी को कम किया जा सके, किसानों की आय में वृद्धि हो और रोजगार के अवसर पैदा किए जा सकें। कुंडली स्थित निफ्टेम का एक मिशन एफपीओ, ग्रामीण और शहरी युवाओं और स्टार्ट-अप को खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में भविष्य के स्थापित उद्यमियों और तकनीकी प्रबंधकों में बदलना है। इसे ध्यान में रखते हुए निफ्टेम की वीएपी टीम ने जशपुर जिले के कृषि और बागवानी क्लस्टरों, कॉलेजों और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में खाद्य प्रसंस्करण और उद्यमिता विकास, अच्छे विनिर्माण अभ्यास, अच्छे स्वच्छता अभ्यास पर कई जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय के सकारात्मक पहल से स्कूली बच्चों मिल रहा पौष्टिक भोजन

जशपुरनगर। न्योता भोजन का उद्देश्य समुदाय के बीच अपनेपन की भावना का विकास, भोजन के पोषक मूल्य में वृद्धि तथा सभी समुदाय वर्ग के बच्चों में समानता की भावना विकसित करना है। सामुदायिक भागीदारी पर आधारित है। यह पूरी तरह से स्वैच्छिक है और समुदाय के लोग अथवा कोई भी सामाजिक संगठन स्कूलों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को भोजन करवा सकते हैं। इसके अतिरिक्त पूरक पोषण के रूप में खाद्य सामग्री दे सकते हैं। न्योता भोजन विभिन्न त्योहारों या अवसरों जैसे वर्षगांठ, जन्मदिन, विवाह और राष्ट्रीय पर्व आदि पर भारतीय परम्परा पर आधारित है। न्योता भोजन छात्र-शिक्षक एवं पालक समुदाय के बीच अपनेपन की भावना को विकसित करने का जरिया तो है ही साथ-साथ पोषण युक्त एवं रूचिकर भोजन दिए जाने से बच्चों की शालाओं में उपस्थिति में वृद्धि होती है। न्योता भोजन का एक अन्य उद्देश्य शाला एवं स्थानीय समुदाय के मध्य आपसी तालमेल को विकसित करना भी है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने गृह ग्राम बगिया में आश्रम शाला के बच्चों को अपने जन्मदिवस पर न्योता भोजन कराते हुए इस योजना की शुरुआत की थी। इसी सकारात्मक पहल के तहत जशपुर जिले में सामुदायिक भागीदारी से भोजन को अधिक पोषक बनाने की पहल किया जा रहा है। विगत सितम्बर माह में टांगरगांव कांसाबेल की प्रधान पाठक श्रीमती सकुन्तला बाई चौहान ने अपने जन्मदिन के उपलक्ष्य में आंशिक न्योता भोजन कराया गया। इस अवसर पर उन्होंने 50 बच्चो को बेल्ट एवं टाई का वितरण भी किया। इसके साथ ही समय-समय पर कई छात्रावासो और आश्रमों में प्रशासनिक अधिकारियों और शासकीय कर्मचारियों सहित अन्य प्रतिनिधियों और लोगों ने न्योता भोज के माध्यम से बच्चों के साथ भोजन किया जाता है।

टेढ़ापहाड़ के ग्रामवासियों को मिलने लगा शुद्ध जल

जशपुरनगर। जिले से लगभग 30 कि.मी. दूरी तथा मुख्य राज्य मार्ग से 12 कि.मी. दूरी पर जंगलों से घिरा दुलदुला विकासखण्ड के ग्राम पंचायत जामपानी का ग्राम टेढ़ापहाड़ जल जीवन मिशन योजना से लाभान्वित हुआ है। यहां के ग्रामीणों को अब शुद्ध पेयजल मिलने लगा है, जिससे ग्रामीणों को कई परेशानियों से मुक्ति मिला है। योजना के तहत् टेढ़ापहाड़ में कुल 47 क्रियाशील घरेलू नल कनेक्शन लगाए गए है और अब सबके घरों में पानी नल से आ रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार शुद्ध पेय जल हर ग्रामीणों को उपलब्ध कराने के लिए जल एवं स्वच्छता मिशन द्वारा जल जीवन मिशन के कार्यो को जिले में शीघ्रता से पूर्ण कराया जा रहा है। इसी कड़ी में टेढ़ापहाड़ झारखण्ड सीमा से लगा हुआ ग्राम में जल जीवन मिशन के माध्यम से 47 क्रियाशील घरेलू नल में जल दिया जा रहा है हर एक योजना में 5000 ली. के 3 टंकी यानी 15000 लीटर की टंकी स्थापित की गई है।

मयाली में प्राकृतिक आपदा की स्थिति में बचाव के तरीके का किया गया लाइव प्रदर्शन

एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की संयुक्त टीम के मॉक ड्रील कर आपदा प्रबंधन का पूर्वाभ्यास

कर लोगों को किया जागरूक, आपात स्थिति में घरों में काम आने वाले समानों से बचाव के तरीके को किया

गया प्रदर्शित, सीपीआर, रेस्क्यू ब्रीथ, डूबते व्यक्ति को बचाने के तरीके के बारे में बताया गया

छ.ग.फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। अक्सर देखा जाता है कि कहीं पर जमीनी व पहाड़ी इलाकों में बाढ़, भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदा आती है तो एनडीआरएफ की टीम लोगों को बचाने व उन्हें सुरक्षित जगह पहुंचाने के लिए हमेशा तत्पर दिखाई देती है। कठिन परिस्थितियों में भी टीम अदम्य साहस के साथ दिन हो रात पूरी तन्मयता से लोगों को रेस्क्यू करने मे जुटी रहती है। आज जिले के मयाली डेम में एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की संयुक्त टीम ने एक मॉक ड्रील कर प्राकृतिक आपदा की स्थिति में लोगों को किस प्रकार से बचाते हुए उन्हें तत्काल मेडिकल सहायता उपलब्ध कराया जाता है इसका लाइव प्रदर्शन करके बताया।

यह जिला स्तरीय मॉक ड्रील का आयोजन राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के तहत किया गया। इसका प्रमुख उद्देश्य आम लोगों को आपात स्थिति में कैसी प्रतिक्रिया देनी है इसके लिए जागरूक करना में बेहतर आपदा प्रबंधन का अंजाम देना भी है। जिले के कुनकुरी ब्लॉक में पर्यटन के लिए मशहूर मयाली डेम में थर्ड बटालियन मुंडाली कटक उड़ीसा की एनडीआरएफ टीम और जिले के एसडीआरएफ की टीम ने संयुक्त रूप से मॉक ड्रील कर बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होने पर, डेम के टूटने और अचानक पानी बढ़ने की वजह से आई आपदा से कैसे निपटना है और लोगों की जिंदगी को किस तरह से बचाना है इसका पूर्वाभ्यास करके दिखाया। आपदा में और आपात स्थिति में घरों में काम आने वाले उपकरणों के इस्तेमाल का किया गया प्रदर्शन मॉक ड्रील के दौरान एनडीआरएफ के असिस्टेंट कमांडेंट गौरव जांगटे के निर्देशन में सब इस्पेंक्टर आनंद कुमार और संदीप कुमार और एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के जवानों ने आपदा में काम आने वाले उपकरणों का इस्तेमाल करके रेस्क्यू किए जाने के तरीके को बताया। इसके साथ ही आपात स्थिति में घर में मौजूद समानों जैसे खाली प्लास्टिक बोतलों को जोड़कर, खाली केन, फुटबाल सहित अन्य उपकरणों के इस्तेमाल कर बचाव के तरीके का लाइव प्रदर्शन किया गया। टीम ने लाइव प्रदर्शन कर दिखाया की अगर कोई व्यक्ति पानी में डूब रहा है तो उसे किस प्रकार त्वरित प्रतिक्रिया देते हुए उसे बचाया जाता है, इसके अलावा डीप ड्राइविंग रेसक्यू का भी प्रदर्शन किया गया।

टीमों ने बचाए गए व्यक्ति को प्राथमिक उपचार के तहत सीपीआर और रेस्क्यू ब्रीथ देने के तरीके का लाइव डेमों करके बताया। इसके साथ ही कोई डूब रहा है तो उसे उसके पीछे से किस प्रकार पकड़ के बचाना है इसका भी प्रदर्शन किया गया। इसके अलावा टीम ने आपदा में काम आने वाले उपकरण लाइफ सेविंग जैकेट, लाइफबॉय के उपयोग के तरीकों के बारे में बताते हुए इसका लाइव प्रदर्शन भी किया। अपर कलेक्टर श्री प्रदीप कुमार साहू ने एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम की सराहना करते हुए उनका आभार व्यक्त किया इस दौरान कुनकुरी एसडीएम श्री नंदजी पांडेय, डीडीआरएफ श्री विपिन किशोर लकड़ा, एनसीसी कैडेट, छात्र और लोग मौजूद थे।

जिले में लिंग आधारित हिंसा और बाल विवाह रोकथाम के लिए जागरूकता अभियान

सबकी भागीदारी से लिंग आधारित हिंसा और बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियां समाप्त होगी: कलेक्टर

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी के निर्देशानुसार और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत सिंह के मार्गदर्शन में, लिंग आधारित हिंसा समाप्ति और बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम आज मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के सभाकक्ष में संपन्न हुआ। इस अभियान का उद्देश्य बाल विवाह, घरेलू हिंसा और कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न को रोकने के लिए जागरूकता फैलाना है। कार्यक्रम में महिला हेल्पलाइन 181, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, पोक्सो एक्ट और लिंगानुपात से संबंधित विस्तृत जानकारी दी गई। कलेक्टर ने एक महत्वपूर्ण संदेश में कहा कि इस तरह

कार्यक्रम से हम सबको संकल्प भी लेना होगा कि जिले में लिंग आधारित हिंसा और बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने के लिए सभी को एकजुट होकर कार्य करना होगा। महिला अधिकारों और बच्चों के भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इस तरह के अभियान बेहद आवश्यक है। इस तरह के कार्यक्रम लिंग समानता और सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित होता है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों को आओ बनाएं बाल विवाह मुक्त कोरिया की शपथ दिलाई गई। साथ ही, 25 नवंबर से 10 दिसंबर तक चल रहे 16 दिवसीय जागरूकता अभियान की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में जिला बाल संरक्षण अधिकारी और संरक्षण अधिकारी ने विषयों पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने बाल विवाह रोकने और महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के उपायों पर चर्चा की। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम प्रबंधक असरफ अंसारी, जिला प्रबंधक (प्रशिक्षण एवं एचआर) राकेश सिंह, डिप्टी एमआई सरोजिनी राय और बैकुंठपुर, पटना, सोनहत, पोड़ी ब्लॉक के सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

संविधान अमृत महोत्सव सप्ताह, शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रम हुए आयोजित

छ.ग.फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। संविधान का अमृत महोत्सव सप्ताह के तहत् 18 से 23 नवम्बर 2024 तक राज्य में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर संविधान दिवस के रूप मनाया गया। इसी कड़ी में शासकीय पॉलीटेक्निक संस्था जशपुर में संविधान का अमृत महोत्सव सप्ताह के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। संविधान महोत्सव सप्ताह कार्यक्रम आयोजन के कड़ी में 21 नवम्बर को संविधान से संबंधित प्रश्नोत्तरी का आयोजन स्थानीय भाषा में किया गया जिसमें संस्था के समस्त अधिकारी-कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं प्रतिभागी थे। इसके पश्चात् संस्था के छात्र-छात्राओं द्वारा शासन की योजनाओं को

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जन सामान्य तक पहुंचाया गया। इसी प्रकार 22 नवम्बर को संविधान की प्रस्तावना का वाचन कर संस्था स्तर पर स्वच्छता आधारित प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें संस्था व कॉलेज में सबसे स्वच्छ विभाग, सबसे स्वच्छ लैब, सबसे स्वच्छ कक्षा और सबसे स्वच्छ शौचालय इत्यादि का निरीक्षण किया गया। साथ ही संविधान दिवस 26 नवम्बर को शपथ ग्रहण किया गया। कार्यक्रम में व्याख्याता गणित के डॉ. अरूण कुमार, व्याख्याता भौतिकी के डॉ. संजय कुमार साव, व्याख्याता अंग्रेजी के श्री शुभम बैनर्जी, व्याख्याता इटी.एण्ड टी. के श्री अभिमन्यु कुमार सिंह एवं व्याख्याता मेकेनिकल श्री पंकज कुमार पैकरा सहित संस्था के समस्त अधिकारी-कर्मचारी व छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

गौमांस तस्करों को पुलिस ने रंगे हाथ किया गिरफ्तार

जंगल से भारी मात्रा में बरामद हुआ और हथियार

छ.ग.फ्रंटलाइन

कुनकुरी। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह को दुलदुला क्षेत्र के जागरूक ग्रामीणों से दिनांक 26.11.2024 को सूचना मिला कि वे गौवंश की हत्या करने वाले आरोपियों को पकड़कर रखे हैं, इस सूचना पर तत्काल थाना दुलदुला से निरीक्षक कृष्ण कुमार साहू के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर रवाना किया गया, पुलिस द्वारा उपरोक्त दोनों आरोपियों को अभिरक्षा में लिया गया। विवेचना के दौरान पुलिस द्वारा गौ-वंश के अवशेष की पहचान कराकर गवाहों के समक्ष जप्ती कार्यवाही की गई। आरोपीगण

रंजित टोप्पो एवं प्रकाश खलखो के संयुक्त कब्जे से बर्तन में रखा गौमांस, तराजु बाट, 04 नग लोहे का चाकू एवं 01 नग कुल्हाड़ी, रस्सी, तिरपाल इत्यादि जप्त किया गया है। दोनों आरोपियों का कृत्य छ.ग. पशु परि. अधि. 2004 की धारा 4, 5, 10 का अपराध घटित करना पाये जाने पर उन्हें दिनांक 27.11.2024 को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है। प्रकरण के अन्य 02 आरोपीगण फरार हैं, पतासाजी की जा रही है। प्रकरण की विवेचना कार्यवाही एवं आरोपीगणों की गिरफ्तारी में निरीक्षक कृष्ण कुमार साहू, स.उ.नि. सामुदान टोप्पो, प्र.आर. 343 मोहन बंजारे, प्र.आर. 619 मनोहर तिर्की, आर. 687 अलेक्सियुस तिग्गा, आर. 539 सुरेन्द्र निराला, आर. 609 याकुब एक्का का योगदान रहा है। विदित हो कि इसके पूर्व में गौ वंश की हत्या करने के मामले में दिनांक 25.11.2024 को नारायणपुर पुलिस ने ग्राम बेहराखार से 14 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह द्वारा कहा गया है कि- दुलदुला क्षेत्र के जागरूक ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस द्वारा तत्काल कार्यवाही कर गौ-वंश की हत्या करने में सम्मिलित 02 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है, अपने आस-पास किसी प्रकार की अवैधानिक कृत्य घटित हो रहा हो तो तत्काल उसकी सूचना देवें।

आगामी निर्वाचन की तैयारी के संबंध में ली बैठक

जशपुरनगर। जशपुर एसडीएम ओंकार यादव ने आज आगामी निर्वाचन की तैयारी के संबंध में अपने कार्यालय में समीक्षा बैठक ली और मतदाता सूची, मतदान केंद्र, रूट चार्ट, सेक्टर अधिकारियों की नियुक्ति के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर बैठक में जशपुर तहसीलदार श्रीमती जयश्री राजनपथे, जनपद सीईओ श्री लोकहित भगत, नगरपालिका सीएमओ योगेश्वर उपाध्याय एवं अन्य कर्मचारीगण उपस्थित थे।

एसडीएम श्री यादव ने आगामी नगरीय एवं पंचायत आम निर्वाचन के सुचारु रुप से संपादन हेतु निर्वाचन संबंधी कार्य को सर्व प्रथम प्राथमिकता देते हुए निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के लिए कहा।

सड़क निर्माण हेतु प्राकल्न को महीनों बाद नहीं मिली स्वीकृति

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत जयनगर में राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 से कांसापारा तक सड़क मार्ग के उन्नयन व नवीनीकरण कार्य को बजट में स्वीकृति मिलने उपरांत प्राक्कलन तैयार करके अधीक्षण अभियंता लोक निर्माण विभाग अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर के पास प्रेषित कर दिया गया है, जिसमें कुछ आपत्ति दर्ज होने से महीनों बाद भी स्वीकृति नहीं हो सकी है। गौरतलब है कि राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 से कांसापारा तक की सड़क की स्थिति इन दिनों काफी दयनीय हो गई है। सड़क की बदहाली से यहां से गुजरने वाले राहगीरों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही यहां पर सड़क की बदहाली की वजह से आएदिन लोग छोटी बड़ी दुर्घटनाओं के शिकार भी हो रहे हैं। ऐसी स्थिति में क्षेत्रवासियों द्वारा लंबे अरसे से उक्त बदहाल सड़क की मरम्मत कराए जाने की मांग की जा रही थी। क्षेत्रवासियों की मांग पर भटगांव विधायक व कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े द्वारा वर्ष 2023-24 के मुख्य बजट में जयनगर से कांसापारा तक मार्ग का उन्नयन एवं नवीनीकरण निर्माण कार्य को शामिल कराकर स्वीकृति प्रदान कराई गई है।

एनएच 43 से कांसापारा की दूरी 4 किमी है। इस कार्य हेतु शासन द्वारा मुख्य बजट में शामिल जयनगर से कांसापारा तक मार्ग का उन्नयन एवं नवीनीकरण निर्माण कार्य हेतु 380.15 लाख रुपए की स्वीकृति दी गई है। जिस पर लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता द्वारा प्राक्कलन तैयार करके गत दिनों 12 जुलाई 24 को अधीक्षण अभियंता के पास प्रेषित कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि अधीक्षण अभियंता कार्यालय से उक्त प्राक्कलन में कुछ आपत्ति दर्ज कराते हुए सुधार कर पुनः प्राक्कलन मंगाया गया है, लेकिन आज तक प्राक्कलन सुधार कर नहीं भेजा जा सका है। जिस वजह से उक्त कार्य की स्वीकृति हेतु विलंब होने का खामियाजा आमजन को मैदानी स्तर पर भुगतना पड़ रहा है। यहां पर सड़क की स्थिति इन दिनों काफी दयनीय होने से लोगों को पैदल चलना भी दूभर हो गया है। ग्रामीणों द्वारा प्रशासन से जल्द ही उक्त बदहाल सड़क का निर्माण कार्य की स्वीकृति दिलाए जाने की मांग की गई है।

नियमित टीकाकरण सुदृढ़ीकरण के संबंध में प्रशिक्षण सम्पन्न

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। स्वास्थ्य विभाग जिले में नियमित टीकाकरण के तहत पूर्ण प्रतिरक्षण के शत-प्रतिशत लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कृतसंकल्पित है। इस सम्बन्ध में नियमित रूप से दिए जाने वाले टिके के स्तर को बढ़ाने को लेकर सभी प्रयास किये जा रहे है। नियमित टीकाकरण के सुदृढ़ीकरण को लेकर एएफपी, बीपीडी और एएफआई सर्विलेंस पर जिला स्तरीय प्रशिक्षण का आयोजन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बलरामपुर डॉ. बसंत सिंह के निर्देशन में सभाकक्ष में सम्पन्न हुआ। कार्यशाला में मुख्य तौर पर विश्व स्वास्थ्य संघठन के एस.एम.ओ. डॉ. प्रशांत गिहरे ने प्रशिक्षण दिया। उन्होंने बच्चों में खसरा, डिप्थीरिया, निमोनिया, कालीखांसी, हेपेटाइटिस, क्षय रोग, टिटनेस, पोलियो सहित कई अन्य विषयों पर विशेष रूप से प्रशिक्षण दिया। उन्होंने कहा कि बच्चों में कोई बीमारी न हो इसलिए नियमित टीकाकरण जरूरी है। प्रशिक्षण में टीकाकरण अधिकारी डॉ. अनुज टोप्पो, जिले के सभी पी.एच.सी. प्रभारी, मेडिकल ऑफिसर व समस्त विकासखण्ड के बीईटीओ ने भाग लिया।

ट्रेलर वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक गंभीर

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। कुमदा साइडिंग के पीछे आज सुबह ट्राला की चपेट में आने से बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया है। युवक को गंभीर हालत में अंबिकापुर में भर्ती कराया गया है। दर असल करंजी चौकी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत खरसुरा निवासी 42 वर्षीय रामचंद्रन पिता सत्यनारायण ग्राम पंचायत गोविंदपुर कुमदा कालोनी निवासी एक ठेकेदार के यहां मुंशी का काम करता है।

युवक गुरुवार की सुबह करीब नौ बजे घर से अपने कार्य हेतु गोविंदपुर कुमदा कालोनी अपनी बाइक में गांगीकोट मार्ग से जा रहा था। तभी कुमदा साइडिंग के पीछे बलरामपुर खदान मार्ग पर कोयला लोड करने जा रहे ट्रेलर वाहन क्रमांक सीजी 15 एसी 4751 के चालक ने तेज व लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए बाइक सवार को जबरदस्त टक्कर मार दिया, और ट्रेलर वाहन भी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे नर्सरी में पलट गया। दुर्घटना उपरांत ट्रेलर वाहन चालक मौके से फरार हो गया है। सूचना मिलते ही बिश्रामपुर पुलिस मौके पर पहुंच गंभीर रूप से घायल बाइक सवार को एंबुलेंस से अंबिकापुर अस्पताल में ले जाकर भर्ती करा दिया है। बताया जा रहा कि बाइक सवार का एक पैर फ्रैक्चर हो गया और शरीर के अन्य हिस्सों में भी चोट आई है। दुर्घटना में बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है।

जिले में अब तक 11976 क्विंटल धान की खरीदी

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। राज्य शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य 14 नवम्बर से प्रारंभ हो गया है, खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में कलेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार कटारा के मार्गदर्शन में किसानों से धान की खरीदी की जा रही है। किसानों से धान की खरीदी करने के लिए 49 सहकारी समितियों के अंतर्गत 49 धान उर्पाजन बनाये गये हैं। चालू सीजन में धान बेचने के लिए 50660 किसानों ने अपना पंजीयन कराया है। जिले में 28 नवम्बर तक 13 समितियों में कुल 11976.0 क्विंटल धान की खरीदी की गई है। सहकारी समिति जमड़ी में 2470.80 क्विंटल, त्रिकुण्डा में 1263.60 क्विंटल, बगरा में 516 क्विंटल, तातापानी में 331.20, बरदर में 921.20, बरियों में 124.40 क्विंटल, बलंगी में 527.60 क्विंटल, महावीरगंज में 1368.40 क्विंटल, विजयनगर में 1078 क्विंटल, रामनगर में 1070.40 क्विंटल, स्याही में 585.20 क्विंटल, विरेन्द्रनगर में 100 क्विंटल एवं सरना में 1619.20 क्विंटल धान किसानों से खरीदी की गयी है। जिला खाद्य अधिकारी ने बताया है कि किसानों से धान की खरीदी अवकाश के दिनों को छोड़कर सोमवार से शुक्रवार तक खरीदी की जा रही, सुचारू रूप से धान खरीदी करने हेतु धान उर्पाजन केन्द्रों में साफ-सफाई, फेसिंग की व्यवस्था, विद्युत, जनरेटर, कम्प्यूटर सेट, बारदाने, आर्दता मापी यंत्र, तौल बाट की व्यवस्था की गई है।

पीएमश्री सेजेस में भाजपा अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के मंडल अध्यक्ष ने दिया न्योता भोज

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। पीएमश्री सेजेस जयनगर में भाजपा अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के मंडल अध्यक्ष जाहिद अली द्वारा अपनी पुत्री कक्षा दूसरी की छात्रा आसिफा जन्नत एवं पुत्र कक्षा पांचवी के शमसुद्दीन अल्तमश के जन्मदिन के अवसर पर विद्यालय में प्राथमिक कक्षा के बच्चों के लिए न्योता भोज का आयोजन किया गया।

न्योता भोज में चॉकलेट और केक का वितरण किया गया। न्योता भोज कार्यक्रम में शासन के मंशानुरूप कोई भी व्यक्ति अपने विशेष जन्मदिन को यादगार बनाने के लिए स्कूली बच्चों के साथ खुशियों को साझा कर सकता है।

रिक्त पदों की पूर्ति के लिए कौशल एवं लिखित परीक्षा 07 एवं 08 दिसम्बर को

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में विभिन्न पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किये गये थे।

आवेदन पत्रों का परीक्षण पश्चात् वरियता सूची जारी कर दावा-आपत्ति आमंत्रित किया गया था। दावा-आपत्ति के निराकरण कर पात्र-अपात्र सह वरीयता सूची प्रकाशित करने उपरान्त सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी, काउंसलर एवं नर्सिंग ऑफिसर-आईसीयू का पुनः संशोधित पात्र-अपात्र सह वरीयता सूची प्रकाशित करते हुए समस्त पदों के कौशल/लिखित परीक्षा का आयोजन दिनांक 07 व 08 दिसंबर 2024 को किया जाना है। समस्त पदों के कौशल/लिखित परीक्षा में सम्मिलित होने वाले अभ्यर्थियों की सूची रोल नंबर सहित, तिथि, समय एवं स्थान की विस्तृत जानकारी जिला बलरामपुर के वेबसाईट बलरामपुर डॉट जीओव्ही डॉट ईन एवं कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला बलरामपुर-रामानुजगंज के सूचना पटल से प्राप्त किया जा सकता है। अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र एवं कोई एक प्रमाणित आईडी के साथ परीक्षा स्थल पर निर्धारित समय से आधा घंटा पूर्व उपस्थित होना अनिवार्य है। लिखित/कौशल परीक्षा के दौरान स्मार्ट घड़ी/मोबाईल फोन पूर्ण रुप से प्रतिबंधित होगी।

कंदरई में चलित थाना लगाकर आमजन को दी गई कानूनी जानकारी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत सिंह ठाकुर के निर्देश पर पुलिस द्वारा विभिन्न साप्ताहिक बाजार व सार्वजनिक स्थानों पर चलित थाना लगाकर आमजन को कानूनी जानकारी देते हुए मौके पर ही शिकायतों का निराकरण किया जा रहा है।

गौरतलब है कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत सिंह ठाकुर द्वारा सभी थाना व चौकी प्रभारियों को पुलिसिंग कसावट लाने व आमजन से बेहतर तालमेल बनाने निर्देशित किया गया है। इसी तारतम्य में जयनगर थाना प्रभारी नरेंद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा गुरुवार को साप्ताहिक बाजार कंदरई में चलित थाना लगाया गया। यहां पर पुलिस द्वारा लोगों को कानूनी जानकारी देते हुए जागरूक किया गया। पुलिस द्वारा बताया गया कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति के क्षेत्र में दिखाई देने पर तत्काल पुलिस को सूचना दें। साथ ही साइबर ठग के झांसे में बिल्कुल नहीं आएं। किसी भी व्यक्ति को अपना ओटीपी न देते हुए अंजान व्यक्ति को कोई जानकारी न दें। क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु पुलिस के साथ मित्रवत संबंध स्थापित कर लोग किसी भी प्रकार की गैर कानूनी कार्य की जानकारी तत्काल उपलब्ध कराएं। सभी के सहयोग से ही शांति व्यवस्था समाज में कायम रखा जा सकता है। यहां पर क्षेत्र की कुछ शिकायतें भी पुलिस को मिली, जिस पर तत्काल अमल करते हुए उसका निराकरण कराया गया। पुलिस द्वारा यहां पर लोगों को मोटर व्हीकल एक्ट की भी विधिवत जानकारी देते हुए यातायात नियमों का पालन किए जाने आमजन से आह्वान किया गया। समाज को अपराध मुक्त बनाने पुलिस का सहयोग किए जाने की बात भी लोगों से कही गई। इस दौरान उपनिरीक्षक सोहन सिंह व अन्य पुलिस कर्मी व जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

शासन की योजनाओं ने बदली आलम साय के परिवार की जिंदगी

शुद्ध पेयजल, राशन, पेंशन के साथ मिला प्रधानमंत्री आवास

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। आलम साय प्रजापति की कहानी लोगों के लिए प्रेरणा है कि कैसे सरकारी योजनाएं जरूरत मंद लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकती है। ग्राम सुर्रा के निवासी आलमसाय प्रजापति एक मेहनती कुम्हार हैं। मिट्टी के घड़े, दीये और अन्य के उत्पाद बनाना उनका पारंपरिक पेशा है, यह काम उनके जीवनयापन का एकमात्र साधन है। आलम साय का संयुक्त परिवार, जिसमें उनकी पत्नी, बेटा और बहू हैं, एक कच्चे मकान में रहते हैं। आर्थिक तंगी के कारण परिवार को विभिन्न परिस्थितियों में जीवन के हर पड़ाव पर संघर्ष करना पड़ता था। लेकिन अब सरकार की विभिन्न योजनाओं से आलम साय और उनके परिवार के जीवन में एक बड़ा बदलाव आया है।

योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित कर रही सरकार की प्रतिबद्धता

आलम साय के परिवार को नल-जल योजना के तहत शुद्ध पेयजल की सुविधा प्राप्त हुई है। पहले जहां परिवार को पानी के लिए दूर गांव के कुआं, डाबरी या अन्य संसाधनों पर निर्भर रहना पड़ता था, अब सरकार की हर घर जल अन्तर्गत शुद्ध पानी उनके घर तक पहुंच रहा है। इससे उनके परिवार को स्वास्थ्य और समय दोनों में लाभ हुआ है। खाद्यान्न योजना के तहत उनके परिवार को नियमित रूप से राशन मिलता है। अब उन्हें खाद्यान्न की चिंता नहीं रहती और बचा हुआ पैसा अन्य जरूरतों के उपयोग में लाया जाता है। वृद्धा पेंशन योजना के तहत आलम साय को हर महीने पेंशन की राशि मिलती है, जिससे उनकी वृद्धावस्था में आर्थिक सुरक्षा मिली है। वहीं, उनकी पत्नी और बहू को महतारी वंदन योजना के तहत हर महीने 01-01 हजार रुपये की सहायता राशि मिल रही है, जिससे परिवार के छोटे-मोटे खर्च पूरे हो रहे हैं।

पक्के घर का सपना हुआ साकार

आलम साय और उनके परिवार के लिए सबसे बड़ी खुशी तब आई, जब उन्हें और उनके बेटे को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्के मकान की स्वीकृति मिली। अब उनका वर्षों पुराना सपना पूरा होने जा रहा है। आलम साय का कहना है कि जल्द ही कच्चे मकान में रहने की समस्या से छुटकारा मिलेगा और पक्के आवास में निश्चित होकर अपने परिवार के साथ जीवन व्यतीत कर पाएंगे। आलम साय को शासन की योजनाओं से काफी राहत मिली है। वे अब अपना अधिक से अधिक समय मिट्टी के उत्पाद बनाने में लगाते हैं और उत्पादों को स्थानीय बाजार में बेचने से उनके आय में भी सुधार हुआ हैं। भावुक होकर आलम साय कहते हैं कि सरकारी योजनाओं ने हमारे जीवन को पूरी तरह बदल दिया है। पहले जहां हर दिन एक संघर्ष था, आज हम राहत महसूस कर रहे हैं। सरकार ने जो सहायता दी है, उससे हमें न केवल आर्थिक मजबूती मिली, बल्कि हमें आगे बढ़ने का हौसला भी मिला है। योजनाओं का लाभ देने के लिए आलम साय ने प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया है। यह कहानी केवल आलम साय की नहीं, बल्कि ऐसे सैकड़ों परिवारों की है, जिनकी जिंदगी इन योजनाओं के जरिए बेहतर हो रही है।

प्रतापपुर के मंगल भवन में जिला स्तरीय दिव्यांग शिविर का हुआ आयोजन, कलेक्टर हुए शामिल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

प्रतापपुर। जनपद पंचायत प्रतापपुर मंगल भवन में कलेक्टर एस जयवर्धन के निर्देश एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू के मार्गदर्शन में संबल जिला स्तरीय दिव्यांग शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें दिव्यांगों को प्रमाण पत्र वितरित करने के साथ-साथ उन्हें उपकरण उपलब्ध कराने के लिए उनका चिह्नीकरण किया गया। समाज कल्याण विभाग द्वारा स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से दिव्यांगजनों के विशिष्ट पहचान पत्र यूडीआईडी के प्रमाणीकरण हेतु जिला मेडिकल बोर्ड के विशेषज्ञ चिकित्सक दल की टीम भी वहां उपस्थित थी। शिविर में कुल पंजीयन 289, मेडिकल प्रमाण पत्र 54, आधार कार्ड अपडेट 9, नकपक 49, शेष वेरा टेस्ट, सिकल सेल और स्पीच थेरेपी वाले है। आज 7 व्हील चेयर, 4 एमार किट, 1 श्रवण यंत्र और 1 दृष्टिबाधित उपकरणों का वितरण किया गया।

इस अवसर पर कलेक्टर एस जयवर्धन, नगर पंचायत उपाध्यक्ष प्रतिनिधी मुकेश तायल पार्षद अरविंद जयसवाल हरिशंकर गुप्ता रामरतन गुप्ता कृष्णा सोनी प्रतापपुर एसडीएम श्रीमती ललिता भगत, उपसंचालक समाज कल्याण विभाग श्रीमती बेनेदिक्ता तिर्की, जनपद पंचायत सीईओ राधे श्याम मिर्जा, बीईओ मुनु धुर्वे व अन्य जनप्रतिनिधि, सर्व बीआर पी,बी एम ओ, पंचायत, शिक्षा, स्वास्थ्य, आधार कार्ड जनपद स्तर के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

हाई स्कूल जाबर में किया गया नशा मुक्ति कार्यक्रम का आयोजन

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के निर्देशन में नशा मुक्ति अभियान के तहत व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

इस अभियान का उद्देश्य स्कूली बच्चों, समुदायों को नशा के दुष्प्रभावों से अवगत कराना और एक स्वस्थ व नशामुक्त समाज का निर्माण करना है। इसी कड़ी में विकासखण्ड बलरामपुर के हाई स्कूल जाबर में नशामुक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें नशा के दुष्परिणाम के बारे में बताया गया तथा नशा न करने हेतु शपथ दिलाया गया। साथ ही नशा त्यागने और दूसरों को प्रेरित करने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में समाज कल्याण विभाग के कर्मचारी, स्कूल के शिक्षक गण, तथा भारी संख्या में स्कूल के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

दो दिवसीय महिला खेलकूद प्रतियोगिता 29 नवम्बर से प्रारंभ

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। बालिका/महिला खिलाड़ियों को खेलों के प्रति बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिला स्तरीय महिला खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बलरामपुर के खेल मैदान में 29 एवं 30 नवम्बर को प्रातः 10 बजे से किया जाएगा। खेल प्रतियोगिता में 100 एवं 400 मीटर दौड़, तवा फेंक, खोखो, हॉकी, बैडमिंटन, वॉलीबाल, कुश्ती, बास्केटबाल, फुटबॉल, वेटलिफ्टिंग तथा रस्साकसी को शामिल किया गया है। प्रतियोगिता को दो वर्गों में बांटा गया है, जिसमें 9 से 18 वर्ष एवं 18 से 35 वर्ष तक के प्रतिभागी भाग ले सकते हैं।

भूपेश-लखमा ने ईवीएम पर उठाए सवाल, तो शिवरतन-केदार ने किया पलटवार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर । भाजपा और कांग्रेस में ईवीएम को लेकर जुबानी जंग शुरू हो गई है। कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पूर्व मंत्री व कोंटा विधायक कवासी लखमा ने ईवीएम पर सवाल उठाए हैं।इधर, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष शिवरतन और प्रवक्ता केदार गुप्ता ने कांग्रेस के रुख पर तीखा हमला बोला है औ? इसे सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय की खुली अवहेलना बताया है।

दूसरे दिन तक बदलते रहते हैं आंकड़े : बघेल

पूर्व मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव में जिस पोलिंग बूथ में कांग्रेस जीती थी, आज वहां एक भी वोट नहीं मिल रहा है। यह कैसे संभव हो सकता है? आदमी जोड़े-घटाए जाए तो समझ में आता है लेकिन मशीन का जोड़ना-घटाना समझ में नहीं आता है। कांग्रेस की वर्किंग कमेटी की बैठक में शामिल होने के लिए दिल्ली रवाना होने से पहले बघेल मीडिया से चर्चा कर रहे थे। कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक 29 नवंबर को प्रस्तावित है। एक सवाल का जवाब देते हुए बघेल ने कहा कि जब बैलेट पेपर से चुनाव होते थे तो शाम-रात तक मतदान का प्रतिशत पता चल जाता था। वर्तमान में ईवीएम में दूसरे दिन तक आंकड़े बदलते रहते है और इसका अंतर भी काफी ज्यादा होता है। एक अन्य सवाल का जवाब देते हुए बघेल ने कहा कि बांग्लादेश में

हिंदुओं पर हमले को लेकर केंद्र सरकार को आवाज उठानी चाहिए।दुनिया में कहीं भी भारतीय है तो उसकी जिम्मेदारी केंद्र सरकार की है। हर जगह भाजपा राजनीति न करें। भूपेश बघेल ने कहा कि रायपुर समेत प्रदेश भर में इन दिनों हत्या, लूट और दुष्कर्म की घटना हो रही हैं।इसके बाद भी गुड गवर्नेस की बात हो रही है।

चुनाव बहिष्कार को लेकर चल रहा विचार : लखमा

जगदलपुर में पत्रकारों से बातचीत में कवासी लखमा ने कहा कि ईवीएम से भविष्य में चुनाव कराने पर कांग्रेस चुनाव का बहिष्कार कर सकती है।इसे लेकर लगातार शंकाएं उठ रही हैं। पार्टी के शीर्ष स्तर पर विचार चल रहा है।

लोकतंत्र और न्यायपालिका का खुला मखौल उड़ा रही कांग्रेस : शिवरतन

भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष शिवरतन शर्मा ने कहा कि यह साफ हो गया है कि संविधान और संवैधानिक संस्थाओं के प्रति कांग्रेस के लोगों में जरा भी सम्मान नहीं है। देश में संविधान रक्षक अभियान चलाकर कांग्रेस सिर्फ राजनीतिक नौटंकी करने में लगी है। कांग्रेस सरकार में मंत्री रहे कवासी लखमा ने कहा है कि ईवीएम से आगामी विधानसभा चुनाव हुआ तो कांग्रेस चुनाव नहीं लड़ेगी। उन्होंने यह बता दिया है कि कांग्रेस को न तो देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में कोई भरोसा है और न ही देश की सर्वोच्च अदालत के फैसले के प्रति सम्मान है। लखमा का यह बयान कांग्रेस के असली राजनीतिक चरित्र का ही परिचायक है। लखमा के बयान पर कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष दीपक बैज सिर्फ यह कहकर अपना पल्ला नहीं झाड़ सकते कि कांग्रेस गठबंधन सहयोगियों से बात करेगी और आंदोलन किया जाएगा। चुनाव बैलेट पेपर से होना चाहिए। ईवीएम से चुनाव लड़ना है या नहीं, हाईकमान तय करेगा।

कांग्रेस पर लोगों का भरोसा नहीं : गुप्ता

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता केदार गुप्ता ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री बघेल ईवीएम पर भरोसा नहीं करते। लोग उनपर और कांग्रेस पर भरोसा नहीं करते हैं। यदि ईवीएम को दोष देना ही है तो वायनाड और झारखंड में क्यों नहीं देते। वर्ष-2018 में ईवीएम ने ही कांग्रेस को जिताया था। पांच वर्षों में कुछ नहीं किया तो लोगों ने हटा दिया।

सिंचाई का मिला सही जरिया तो किसान देवनाथ में भी जगी कुछ बड़ा करने की ललक

मनरेगा से हुआ डबरी निर्माण, धान की फसल के साथ सब्जी की खेती और मछलीपालन का भी कर रहे काम

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर / मनरेगा योजना के सफल क्रियान्वयन से जिले के कई गांवों में ग्रामीणों की जिंदगी बदल रही है। ऐसी ही एक कहानी जनपद पंचायत बतौली के ग्राम पंचायत झरगवां के किसान देवनाथ की है। देवनाथ के पास 3.86 एकड़ की भूमि तो है, परन्तु सिंचाई सुविधा नहीं होने के कारण सिर्फ बारिश के मौसम में ही धान की खेती कर पाते थे, जिससे वो अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। पानी की कमी के कारण खेत ज्यादातर समय सूखे रहते थे, जो आर्थिक उन्नति में बाधा बन गया

था। उन्होंने आगे बढ़ने की चाह के साथ निजी भूमि पर डबरी निर्माण के बारे में सोचा। देवनाथ बताते हैं कि उनका परिवार महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना में पंजीकृत परिवार है, उन्हें योजना के तहत डबरी निर्माण के बारे में जानकारी मिली। इसके बाद वर्ष 2023-24 में डबरी निर्माण हेतु 2.99 लाख रुपए की स्वीकृति मिली। डबरी बन जाने के बाद देवनाथ को सिंचाई के माध्यम से खेती-किसानी के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध हो पा रहा है। वहीं अब वे इसके अलावा मछली पालन एवं सब्जी-बाड़ी का काम भी कर रहे है, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो रही है। अब वे उन्नत किसान बनकर उभरे हैं। उन्होंने बताया कि उनके द्वारा 30 ७ 30 की साईज की डबरी का निर्माण कराया गया, जिसमें वर्तमान में 06 फीट पानी भरा हुआ है। खेत की मेड़ पर अरहर की फसल एवं लौकी का उत्पादन किया जा रहा है, इस वर्ष धान का उत्पादन भी विगत वर्ष की तुलना में ज्यादा हुआ है। देवनाथ ने अपनी डबरी में इस बार 26 किलो मछली के बीज डाले है जिनकी वर्तमान ग्रोथ अच्छी हो रही है, डबरी निर्माण से उनकी खेतों की नमी भी बढ़ गई, उन्होंने बताया कि वह इस बार अपने खेतों में गेहूं और साग सब्जी का उत्पादन करेगें। उन्हें अपने परिवार की अजीविका चलाने में अब कोई परेशानी नही हो रही है।डबरी निर्माण कार्य से कुल 1111 मानव दिवस रोजगार का भी सृजन हुआ। देवनाथ ने शासन को धन्यवाद देते हुए अपनी खुशी व्यक्त की। मनरेगा के अंतर्गत पंचायत स्तर पर डबरी निर्माण, कुंआ निर्माण जैसे कई कार्य किये जा रहे हैं। इन कार्यों से ग्रामीणों को रोजगार मिलने के साथ ही उनके जीवन स्तर में काफी सुधार देखने को मिल रहा है और उनकी सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ हो रही है।

पिता के देहांत के बाद बेटी ने मां के साथ संभाली घर और कृषि की जिम्मेदारी

धान खरीदी में शासन की नई नीतियों ने दिया संबल

महिला कृषक चन्द्रमनी की बेटी ललीता ने सुनाई आपबीती

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर / शासन की नीतियां और योजनाएं आम जन के कल्याण के लिए बनाई जाती हैं और ये तभी सफल मानी जाती हैं जब किसी के जीवन में ये बेहतर बदलाव लाती हैं। 14 नवम्बर से प्रदेश में धान खरीदी शुरू हो चुकी है। धान खरीदी की नई नीतियों से किसानों में नया उत्साह है। प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी और कृषक उन्नति योजना के तहत 3100 रुपए प्रति क्विंटल के निर्णय ने किसानों को आर्थिक सुदृढ़ता दी है। यूं तो धान खरीदी

की सफलता की कई मिसालें हैं, ऐसी ही एक कहानी है महिला कृषक चन्द्रमनी की। मेंड्राढाब गांव की निवासी किसान चन्द्रमनी की पुत्री ललीता बताती हैं कि उनके पिताजी के देहांत के बाद घर और कृषि की पूरी जिम्मेदारी हम पर है। कृषि का पूरा काम हम ही देखते हैं। बीते दिनों मेंड्राकला उपार्जन केंद्र में 20 क्विंटल धान उन्होंने विक्रय किया है।

ललिता कहती हैं कि मुख्यमंत्री ने जो गारंटी दी थी, वो पूरी हो रही है। मैं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को धन्यवाद देती हूं। उनके इस निर्णय ने गरीब किसानों को संबल दिया है। किसानों के हित में लिए गए इस निर्णय से हम जैसे किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार हो रहा है।

छत्तीसगढ़ में पर्यटन विकास के लिए केंद्र सरकार से मिली बड़ी सौगात, 147.66 करोड़ रूपए की मिली स्वीकृति

- छत्तीसगढ़ में बनेगी फिल्म सिटी और सांस्कृतिक केंद्र, पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा
- मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रयासों को मिला मजबूत आधार
- आइकोनिक टूरिज्म प्रोजेक्ट्स के द्वारा छत्तीसगढ़ को मिलेगी नई पहचान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर / मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रयासों से छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड को केंद्र सरकार से एक बड़ी उपलब्धि प्राप्त हुई है। केंद्र सरकार ने स्पेशल असिस्टेंस टू स्टेट्स फॉर कैपिटल इन्वेस्टमेंट 2024-25 के तहत राज्य की दो महत्वपूर्ण पर्यटन परियोजनाओं के लिए 147.66 करोड़ रूपए की राशि स्वीकृत की है। इसके अंतर्गत 95.79 करोड़ रूपए की लागत से माना तूता रायपुर में चित्रोत्पला फिल्म सिटी का निर्माण तथा 51.87 करोड़ रूपए की लागत से माना तूता रायपुर में जनजातीय और सांस्कृतिक कन्वेंशन सेंटर का निर्माण शामिल है। छत्तीसगढ़ में इन परियोजनाओं के शुरू होने से राज्य में पर्यटन ढांचे को मजबूत करने और स्थानीय संस्कृति को वैश्विक स्तर पर प्रस्तुत करने में मदद मिलेगी। ये योजनाएं रोजगार

सृजन, विकास और छत्तीसगढ़ को पर्यटन के वैश्विक मानचित्र में स्थापित करने में सहायक सिद्ध होगी। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक श्री विवेक आचार्य ने केंद्रीय पर्यटन मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत से 15 अक्टूबर 2024 को नई दिल्ली में मुलाकात कर छत्तीसगढ़ की पर्यटन गतिविधियों के बारे में जानकारी देते हुए स्पेशल असिस्टेंस टू स्टेट्स फॉर कैपिटल इन्वेस्टमेंट योजना के तहत राजधानी रायपुर में फिल्म सिटी, कन्वेंशन सेंटर, वेलनेस रिसॉर्ट और नेचर सिटी के लिए लगभग 300 करोड़ रुपये के प्रस्ताव प्रस्तुत किए थे जिसके परिप्रेक्ष में फिल्म सिटी और कन्वेंशन सेंटर निर्माण के लिए केंद्र सरकार से 147.66 करोड़ रूपए की स्वीकृति प्राप्त हुई है। पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के इस ठोस कदम से छत्तीसगढ़ में फिल्म मेकिंग और फिल्म टूरिज्म के लिए फिल्म सिटी निर्माण के माध्यम से अपार संभावनाओं के द्वार खुल गए हैं। यह सफलता छत्तीसगढ़ के पर्यटन विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है और राज्य को एक वैश्विक पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित करने की दिशा में नए अवसर खोल रही है।

सिसेंडी में नए पावर हाउस निर्माण के लिए मिली जमीन,जल्द शुरू होगा निर्माण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

मोहनलालगंज।मोहनलालगंज के सिसेंडी कस्बे में नए पावर हाउस के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है।इसके लिए राजस्व विभाग ने पावर कापोर्रेशन को जमीन सौंपकर बकायदा अभिलेखों में दर्ज कर दी है।वही पावर हाउस का निर्माण आरडीएसएस कंपनी 18 करोड़ की लागत से करेगी साथ ही इसके निर्माण से एक लाख की आबादी को लाभ मिलेगा।नए पावर हाउस निर्माण की पैरवी में शुरूवात से लगे समाजसेवी ने जमीन मिलने के बाद खुशी जाहिर की है। सिसेंडी कस्बे में नए पावर हाउस के निर्माण की मांग की शुरूवात करने वाले समाजसेवी ललित दीक्षित ने बताया की पिछले तीन साल पहले नए पावर हाउस के निर्माण की पहल तत्कालीन अधिशाषी अभियंता ने की थी।उसके बाद जमीन को लेकर मामला अटक गया था।इसको लेकर श्री दीक्षित ने विभागीय मंत्री से लेकर क्षेत्रीय सांसद और डीएम, कमिश्नर तक से गुहार लगाई थी। जिसके बाद प्रमुख सचिव उर्जा सिसेण्डी मे पावर हाउस निर्माण के लिए डीएम सूर्यपाल गंगवार को पत्र लिखकर जमीन उत्तर प्रदेश पावर कापोर्रेशन को सौपने को कहा था। प्रमुख सचिव के पत्र को संज्ञान मे लेने के बाद डीएम ने राजस्व विभाग को जमीन देने का आदेश दिया। राजस्व विभाग ने 22 नवंबर को नए पावर हाउस निर्माण के लिए सिसेण्डी मे पर्याप्त जमीन देते हुए पावर कापोर्रेशन के नाम दर्ज कर दी।

विभिन्न पदों पर भर्ती हेतु 03 दिसम्बर को होगा प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर / उपसंचालक रोजगार ने बताया कि जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र अम्बिकापुर के द्वारा 03 दिसम्बर 2024 को प्रातः 11:00 बजे से सायं 04:00 बजे तक प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया गया है। जिसमें निजी नियोजक एन.जे. ग्रुप पता प्रथम तल तिरुपति बालाजी बिल्डींग भाटागांव के पास रायपुर के एम.डी. सुश्री एन. निर्मला उपस्थित रहेंगी। जिसके अंतर्गत सेल्स मार्केटिंग के 300 पद, असेम्बली (मोब) के 200 पद, एसोसिएट के 100 पद एवं सीएनसी ऑपरेटर के 200 पदों पर भर्ती की जानी है। जिस हेतु न्यूनतम योग्यता 10वीं से स्नातक, आई.टी.आई./डिप्लोमा है, संभावित वेतन 10 हजार से 14

हजार रुपए निर्धारित है। उन्होंने बताया कि प्लेसमेंट कैम्प पूर्णतः निःशुल्क है, नियुक्ति की शर्तों के लिए नियोजक स्वयं जिम्मेदार होंगे, कार्यालय की भूमिका इस पूरी प्रक्रिया में सिर्फ सुविधा प्रदाता के रूप में होगी। जिले के इच्छुक ऐसे समस्त आवेदक जो उपरोक्त पदों हेतु योग्यता रखते है वे अपने साथ शैक्षणिक योग्यता की अंकसूची, निवास प्रमाण पत्र, पासपोर्ट साईज की फोटो के साथ 03 दिसम्बर 2024 को प्रातः 11:00 बजे से 04:00 बजे तक जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, गंगापुर, अम्बिकापुर में आयोजित प्लेसमेंट कैंप में उपस्थित हो सकते हैं।

विकासखण्ड स्तरीय युवा उत्सव वर्ष 2024-25 हेतु प्रतिभागी 4 दिसम्बर तक करा सकते हैं पंजीयन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर/ खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सहायक संचालक ने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी युवक-युवतियों का विकासखण्ड स्तरीय युवा उत्सव वर्ष 2024-25 का आयोजन जिला मुख्यालय अम्बिकापुर में किया जा रहा है। युवा उत्सव में 15 से 29 वर्ष तक के आयु वर्ग के युवा प्रतिभाग कर सकेंगे। युवा उत्सव में विभिन्न विधाएं शामिल हैं, जिसमें लोकनृत्य के अंतर्गत सामूहिक लोकनृत्य, सामूहिक लोकगीत, व्यक्तिगत लोकनृत्य एवं व्यक्तिगत लोकगीत है। वहीं लाईफ स्कील के अंतर्गत कहानी लेखन, चित्रकला, कविता एवं वक्तृवकला या तात्कालिक भाषण है। इसी प्रकार विज्ञान मेला, युवा कृति अंतर्गत हस्तशिल्प, टेक्सटाइल, कृषि उत्पादन, रॉक बैंड हैं।

नगर निगम अम्बिकापुर क्षेत्र में अलाव की व्यवस्था हेतु लगाई गई ड्यूटी

अम्बिकापुर / नगरीय क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में अलाव की व्यवस्था के मद्देनजर नगर निगम आयुक्त ने आदेश जारी कर नगर पालिक निगम क्षेत्रान्तर्गत अलाव की व्यवस्था हेतु कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई है। जिसमें उप अभियंता नगर पालिक निगम श्री रत्नेश कंवर के नेतृत्व में निगम के कर्मचारी सुपरवाईजर सदानंद चौबे, वाहन चालक कृष्णा राम, बाबूलाल, नार सिंह, ओमप्रकाश, शिवमंगल राम, बजरंग श्रीवास, जगदम्बा, दिनु राम को कार्य करने हेतु आदेशित किया गया है।

राष्ट्रीय शहरी कार्यक्रम प्रबंधन के उप संचालक डॉ. अजय शंकर कन्नौजे ने शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नवापारा एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिर गोधनपुर का किया निरीक्षण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर / राष्ट्रीय शहरी कार्यक्रम प्रबंधन के उप संचालक डॉ. अजय शंकर कन्नौजे द्वारा गुरूवार को शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नवापारा का निरीक्षण किया गया। इस दौरान डॉ. कन्नौज द्वारा शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नवापारा में संचालित विभिन्न कार्यक्रम व सेवाएं जैसे टीकाकरण, किमोथेरिपी, सिकल सेल, मानसिक स्वास्थ्य, फिजिओथेरिपी, आईपीडी, ओपीडी, दवाईयों की उपलब्धता एवं समस्त स्वास्थ्य जांच की उपलब्धता की जानकारी ली गयी। डॉ. कन्नौज द्वारा अधिकारी-कर्मचारियों की बैठक ली गयी, जिसमें उन्होंने सभी प्रकार के जांच की उपलब्धता व

किमोथेरेपी की दवाओं की पूर्ति किए जाने के निर्देश दिए, इसके अलावा मानसिक स्वास्थ्य के अधिकारी-कर्मचारियों को भी नियमित ओपीडी संचालित करने व दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। डॉ. कन्नौज द्वारा शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर गोधनपुर का भी निरीक्षण किया गया। उनके द्वारा ओपीडी में ज्यादा से ज्यादा मरीजों को सेवा देने के निर्देश दिए गए व गुणवत्तापूर्ण कार्य करने हेतु प्रोत्साहित किया गया।इस दौरान जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. पुष्पेन्द्र राम, शहरी कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. सीमा तिग्गा, शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नवापारा के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. शीला नेताम, स्वास्थ्य पर्यवेक्षक व अन्य अन्य उपस्थित थे।

सम्पादकीय

बांग्लादेश और श्रीलंका की राह पर चल रहा पाकिस्तान

पाकिस्तान भी श्रीलंका और बांग्लादेश की राह पर चलता नजर आ रहा है। बदहाली से तंग आ चुकी जनता सत्ता पर काबिज आकाओं को बदलने का मूड बना चुकी है। पहले से ही बदहाल आर्थिक हालात, आतंकवाद और शिया-सुनी मुस्लिम तनाव के बीच उलझे पड़ोसी पाकिस्तान में सत्ता के खिलाफ नागरिकों के आंदोलन ने नई मुसीबत खड़ी कर दी है। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की रिहाई की मांग को लेकर रविवार को जो हुआ उसके संकेत कतई सही नहीं हैं। इमरान खान के सैकड़ों समर्थक इस्लामाबाद में डी चौक पर पहुंच गए। पुलिस उन्हें रोकने के लिए आंसू गैस के गोले दागती रही। इसके जवाब में प्रदर्शनकारी पुलिस और सेना पर पत्थर फेंक रहे हैं। डी चौक इस्लामाबाद का सबसे हाई प्रोफाइल इलाका है। राष्ट्रपति भवन, प्रधानमंत्री ऑफिस, संसद भवन और सुप्रीम कोर्ट इसी इलाके में हैं। सेना ने शिपिंग कंटेनर रखकर राजधानी पहुंचने वाले हाईवे को ब्लॉक कर दिया था, लेकिन प्रदर्शनकारियों ने लिफ्टिंग मशीन और कई भारी मशीनों की मदद से बैरिकेड्स तोड़ दिए। प्रदर्शनकारियों ने श्रीनगर हाईवे पर सुरक्षा बलों पर गाड़ियां चढ़ा दीं, जिसमें कुचलकर 4 सैनिक और 2 पुलिसकर्मी मारे गए। हिंसा में अब तक 100 से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल हो चुके हैं। ज्यादातर की हालत गंभीर है। हिंसा से निपटने के लिए धारा 245 लागू कर दी गई है। प्रदर्शनकारियों को देखते ही गोली मारने का आदेश दिया गया है। पाकिस्तानी सेना को कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए किसी भी इलाके में कर्फ्यू लगाने का अधिकार दिया गया है। असल में आम चुनाव के दौरान पाकिस्तान में जो हुआ, उससे जनता खासी नाराज है। उस पर जेल में बंद इमरान खान के बयान आग में घी का काम कर रहे हैं। इमरान खान ने इसे आजादी की लड़ाई के रूप में पेश किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा है, 24 नवंबर गुलामी से मुक्त होने का दिन है। देश को यह तय करना होगा कि बहादुर शाह जफर की तरह गुलामी का जुआ पहनना है या टीपू सुल्तान की तरह आजादी का ताज। इमरान खान की पोस्ट से स्पष्ट है कि उनकी जिद टीपू सुल्तान की तरह आजादी का ताज पहनने की है। आर्थिक बदहाली से दो चार हो रहे पाकिस्तान पर यह आंदोलन महंगा साबित हो रहा है। विपक्ष के नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शनों और लॉकडाउन से प्रतिदिन भारतीय मुद्रा में लगभग 6,000 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हो रहा है। साथ ही कारोबार भी नहीं चल रहे हैं जिससे लोगों को आर्थिक हानि भी हो रही है। निर्यात करने में भी काफी परेशानी आ रही है। पाकिस्तान के वित्त मंत्रालय के अनुसार आंदोलन के कारण हर दिन 144 बिलियन पाकिस्तानी रुपये का जीडीपी को, कृषि क्षेत्र में 20 बिलियन और औद्योगिक क्षेत्र में 26 बिलियन पाकिस्तानी रुपये का नुकसान हो चुका है। हालात ये हैं कि अभी आंदोलन और तेज हो रहा है। इस आंदोलन के दौरान पाकिस्तान में सर्वशक्तिमान सेना का भयावह मिथक सार्वजनिक रूप से ध्वस्त हो होता नजर आ रहा है। इसमें दरारें दो साल पहले तब दिखनी शुरू हो गई थी, जब हज़ारों पाकिस्तानियों ने एक अपदस्थ प्रधानमंत्री के साथ रैली निकाली, जिन्होंने राजनीति पर जनरलों की मज़बूत पकड़ के ख़िलाफ़ आवाज़ उठाई थी। एक साल बाद, गुस्साई भीड़ ने सैन्य प्रतिष्ठानों पर धावा बोल दिया और उन्हें आग के हवाले कर दिया। अब जनता में सेना के प्रति गुस्सा दिख रहा है। हैरानी नहीं होगी अगर अगले कुछ दिनों में यह खबरें आए कि श्रीलंका और बांग्लादेश की तरह पाकिस्तान में भी जनता ने सत्ता परिवर्तन कर दिया।

विश्लेषण

डॉ. अश्वनी महाजन

चुनौतियों के हल का मंच बने जी-20

> जी-20 सम्मेलन में 'वसुधैव कुटुम्बकम' के आधार पर 'एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य' के ध्येय वाक्य ने जैसे वैश्विक स्तर पर चल रहे विवादों, संघर्षों, समस्याओं, मुद्दों को जैसे एक सूत्र में पिरो दिया था। जी-20 सम्मेलन में ब्राजील के राष्ट्रपति ने सदस्य राष्ट्रों को अपने पर्यावरण लक्ष्यों को बढ़ाने का आह्वान किया। जी-20 हो या ब्रिक्स सम्मेलन, वैश्विक स्तर पर इनके बढ़ते महत्व को समझते हुए कूटनीति विशेषज्ञ इन्हें महत्वपूर्ण वैश्विक मंच मानने लगे हैं। युद्ध, आर्थिक चुनौतियों विभिन्न संघर्षों के समय में मंचों का उपयोग विश्व शांति, पर्यावरणीय, प्रौद्योगिकी से जुड़ी समस्याओं के हल के लिए इन मंचों का अधिकतम इस्तेमाल वक्त की मांग है।

पिछले वर्ष भारत ने जी-20 समूह के अध्यक्ष के नाते जी-20 सम्मेलन आयोजित किया था। कई मायनों में यह सम्मेलन अभूतपूर्व था। खासतौर पर वैश्विक स्तर पर चल रहे विवादों, संघर्ष और युद्ध के वातावरण के बावजूद आम सहमति से घोषणा पत्र जारी किया गया। भारत से पूर्व इंडोनेशिया ने इसकी अध्यक्षता संभाली थी, लेकिन उस समय अंतिम घोषणा पत्र में रूस-यूक्रेन युद्ध के संदर्भ में रूस की आलोचना की गई थी। जी-20 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट में अस्तित्व में आया था। भारत में जी-20 सम्मेलन बहुत धूमधाम से आयोजित किया गया। इसकी न सिर्फ भौतिक तैयारियां, बल्कि बौद्धिक तैयारियां भी पूरी गंभीरता से की गई थीं। 2023 के सम्मेलन में भारत द्वारा रूस के बारे में कुशलतापूर्वक न केवल विवादास्पद भाषा से बचा जा सका, बल्कि विश्व के समक्ष उपस्थित मुद्दों, खासतौर पर बहुपक्षीय विकास बैंकों समेत वैश्विक वित्तीय संस्थानों में पूंजीगत संरचना में बदलाव, क्रिप्टो करेंसी, वैश्विक ऋण संबंधी समस्याओं का प्रबंधन, मौसम परिवर्तन से जुड़े वित्तीयन के मुद्दे आदि, सभी पर खुली चर्चा का मार्ग भी प्रशस्त हुआ।

'वसुधैव कुटुम्बकम' के आधार पर 'एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य' के ध्येय वाक्य ने जैसे वैश्विक स्तर पर चल रहे विवादों, संघर्षों, समस्याओं, मुद्दों को जैसे एक सूत्र में पिरो दिया था। ब्राजील की राजधानी रियो में सम्पन्न जी-20 सम्मेलन में इन विषयों को आगे ले जाने की एक विशेष चुनौती थी, इसलिए ब्राजील के जी-20 सम्मेलन में हुई चर्चाओं और सहमतियों को उस आलोक में भी देखना महत्वपूर्ण है। रियो, ब्राजील में सम्पन्न सम्मेलन का थीम रहा 'एक न्यायपूर्ण विश्व और एक धारणीय ग्रह'। जी-20 सम्मेलन में ब्राजील के राष्ट्रपति लुला डी सिलवा ने कहा कि जी-20 सम्मेलन 2024, पिछले वर्ष की भारत की अध्यक्षता से प्रेरित रहा और भारत की सम्मेलन को आयोजित करने की कुशलता को प्राप्त करने की कोशिश इस सम्मेलन में की गई है। जी-20 सम्मेलन में ब्राजील के राष्ट्रपति ने सदस्य राष्ट्रों को अपने पर्यावरण लक्ष्यों को बढ़ाने का आह्वान किया। जी-20 सम्मेलन के घोषणा पत्र में पर्यावरण वित्तीयन पर गतिरोध खत्म करने की जरूरत पर बल दिया, लेकिन उसके समाधान के बारे में स्पष्ट मार्गदर्शन देने में यह घोषणा पत्र असफल रहा। समझना होगा कि पर्यावरण वित्तीयन पर यह गतिरोध लगातार बना हुआ है, जो न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि ग्लोबल वार्मिंग और मौसम परिवर्तन जैसे अत्यंत गंभीर मुद्दों पर विकसित देशों की असंवेदनशीलता भी दर्शाता है। हालांकि सम्मेलन का घोषणा पत्र यह कहता है कि पर्यावरणीय वित्त को सभी स्रोतों से अरबों से खरबों डॉलर तक तेजी से और पर्याप्त रूप से बढ़ाना जरूरी है, इसके बारे में ठोस रणनीति या संवेदनशीलता कहीं दिखाई नहीं देती। जी-20 सम्मेलन के पहले सत्र, जिसका मुद्दा 'भुखमरी और गरीबी के खिलाफ एकजुटता था', को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "भारत ने 10 साल में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है, 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज दे रहे। 55 करोड़ लोग फ्री

हेल्थ बीमा का लाभ उठा रहे। किसानों को 20 बिलियन डॉलर (168 हजार करोड़ रुपये) दिए। भारत वैश्विक खाद्य सुरक्षा में योगदान दे रहा है। हाल में ही मलावी, जाम्बिया और जिम्बाबे में मदद पहुंचाई है।"

प्रधानमंत्री के भाषण में पिछले सम्मेलन के थीम एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य का जिक्र आया और उन्होंने इसे इस सम्मेलन के लिए भी उतना ही प्रासंगिक बताया। यही नहीं उन्होंने जी-20 सम्मेलन अफ्रीकी यूनियन को शामिल करने की बात को भी रखा। समझना होगा कि यह जी-20 के लिए एक मील का पत्थर था। प्रधानमंत्री ने कहा कि युद्ध के कारण दुनिया में खाद्य, तेल और उर्वरक का संकट पैदा हुआ है और विकासशील राष्ट्रों (ग्लोबल साऊथ) पर इसका असर सबसे ज्यादा हुआ है। प्रधानमंत्री के भाषण में यह भी रेखांकित किया गया कि जी-20 की चर्चा तभी सफल होगी, जब हम ग्लोबल साऊथ की चुनौतियों और प्राथमिकताओं को ध्यान में रखा जाएगा। यही नहीं जी-20 सम्मेलन 2024 में पर्यावरणीय वित्त पर कोई ठोस बात नहीं हो पाई। पर्यावरण के विषय से जुड़े लोग इस बात को लेकर भी चिंतित हैं कि जीवाश्म ईंधन के उपयोग को कम करने संबंधी भी कोई बात घोषणा पत्र में नहीं आ पाई। गौरतलब है कि जीवाश्म ईंधन के उपयोग को समाप्त करने संबंधी मुद्दे पर विश्व में एक मत नहीं है। जहां भारत सरीखे देश इस बात पर जोर दे रहे हैं कि केवल कोयले के उपयोग को कम करने पर ही नहीं, बल्कि पेट्रोलियम तेल के उपयोग करने पर भी उतना ही बल दिया जाना चाहिए, लेकिन अमेरिका और अरब देशों समेत अधिकांश विकसित देश भी चतुराई से केवल कोयले के उपयोग को कम करने की वकालत कर रहे हैं। उधर दुबई में आयोजित कॉप-28 सम्मेलन में देशों ने जीवाश्म ईंधनों के उपयोग को कम करने पर सहमति दर्शाई थी, लेकिन पर्यावरण से जुड़े कार्यकर्ताओं को लगता है कि जी-20 घोषणा पत्र में जीवाश्म ईंधनों के उपयोग के बारे में बात नहीं आने से कॉप-29 यह मुद्दा और कमजोर हो जाएगा। किसी भी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भारत का नेतृत्व केवल सम्मेलन तक सीमित नहीं रहता। सम्मेलन के साथ-साथ यह एक अवसर भी होता है कि अन्य मुल्कों के साथ महत्वपूर्ण मुद्दों पर बातचीत हो, कुछ अनसुलझे मुद्दे सुलझाए जाएं। इस मौके पर भारत के प्रधानमंत्री एवं प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों ने इस मौके का बखूबी इस्तेमाल किया। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केवल ब्राजील के राष्ट्रपति ही नहीं, बल्कि इटली की प्रधानमंत्री जियोंजिया मैलोनी के साथ मिलकर प्रतिरक्षा, सुरक्षा, व्यापार और प्रौद्योगिकी जैसे मुद्दों पर बातचीत की गई। इंग्लैंड के प्रधानमंत्री कीर स्ट्रॉर्मर के साथ भी प्रौद्योगिकी, हरित ऊर्जा, सुरक्षा, नवाचार जैसे मुद्दों पर बातचीत हुई। इसके अलावा फ्रांस, नार्वे, पुर्तगाल और इंडोनेशिया के नेताओं के साथ भी द्विपक्षीय बातचीत हुई। एक अन्य दिलचस्प बात भारत और चीन की द्विपक्षीय वार्ता की हुई, जिसमें चीन के प्रदेश मंत्री के साथ भारत के विदेश मंत्री जयशंकर की बातचीत रही। भारत-चीन सीमा पर दो विवादास्पद ठिकानों पर सेनाओं के पीछे हटने के फैसले के बाद यह पहली बार हुआ कि चीन के साथ सीमा विवादों पर कोई सरकारी बातचीत हुई हो। समझा जा सकता है कि इससे भारत और चीन के बीच द्विपक्षीय संबंध बेहतर होंगे।

ऐसा लगता है कि पिछले सालों में जी 20 सम्मेलन का महत्व बढ़ता जा रहा है और विभिन्न देश इस सम्मेलन में शासनाध्यक्ष विभिन्न मुद्दों पर आम सहमति बनाने का कर रहे हैं। जी-20 हो या ब्रिक्स सम्मेलन, वैश्विक स्तर पर इनके बढ़ते महत्व को समझते हुए कूटनीति विशेषज्ञ इन्हें महत्वपूर्ण वैश्विक मंच मानने लगे हैं। युद्ध, आर्थिक चुनौतियों विभिन्न संघर्षों के समय में मंचों का उपयोग विश्व शांति, पर्यावरणीय, राजकोषीय चुनौतियों, प्रौद्योगिकी से जुड़ी समस्याओं के हल के लिए इन मंचों का अधिकतम इस्तेमाल वक्त की मांग है।

(लेखक डीयू के पूर्व प्रोफेसर,हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

विश्व सहकारिता सम्मेलन

विवेक शुक्ला

सहकारिता आंदोलन को देती गति सरकार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को राजधानी में अंतरराष्ट्रीय सहकारिता सम्मेलन का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 का शुभारंभ और स्मारक डाक टिकट भी जारी किया। संयुक्त राष्ट्र द्वारा 2025 को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के रूप में मनाने का फैसला दुनियाभर के करोड़ों गरीबों व किसानों के लिए आशीर्वाद सिद्ध होगा। यह संयोग ही है कि हजारों साल से सामुदायिक जीवन जी रहा भारत अब जाकर ंतरराष्ट्रीय सहकारी गठबंधन (आईसीए) के सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। 19 अगस्त 1895 को आईसीए का पहला सम्मेलन लंदन में हुआ था, तब इंग्लैंड, अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, इंग्लैंड, डेनमार्क, फ्रांस, जर्मनी, हॉलैंड के साथ भारत के सहकारी प्रतिनिधियों ने भाग लिया था। भारत लगभग 128 साल बाद वैश्विक सहकारी सम्मेलन का नेतृत्व कर रहा है। यह तब और महत्वपूर्ण हो जाता है, जब संयुक्त राष्ट्र ने 2025 को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घोषित कर रखा है। बेशक, इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी और सहकारिता मंत्री अमित शाह को श्रेय दिया जाना चाहिए, जिन्होंने भारत के सहकारी क्षेत्र का पुनरुत्थान कर दिया है। प्राथमिक कृषि ऋण समितियों को सशक्त बनाने, उन्हें डिजिटल इंडिया से जोड़ने, ई-गवर्नेंस लागू करने और समितियों को आसान वित्तीय सेवा प्रदान करके ग्रामीण भारत और किसानों की आर्थिक उन्नति में योगदान के जरिये समृद्ध भारत की कल्पना को साकार करने की दिशा में मोदी सरकार ने कदम आगे बढ़ाया है। यही नहीं भारत की सहकारी समितियां स्थायी कृषि में भी योगदान दे रही हैं साथ ही प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दे रही हैं और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों की खोज कर रही हैं। मोदी यह भी लक्ष्य कर रहे हैं कि किसानों की आय दोगुनी करने में सहकारिता क्षेत्र से सबसे ज्यादा योगदान लिया जाए। मोदी ने अपने तीसरे कार्यकाल के पहले 100 दिनों का लक्ष्य रखा था, उसमें सहकारी क्षेत्र को आत्मनिर्भर एवं व्यापक बनाने का भी कार्यक्रम भी शामिल था। पिछले दिनों ही अमित शाह ने 2 लाख नए डेयरी एवं मत्स्य सहकारी समितियों के गठन की घोषणा के साथ श्वेत क्रांति 2.0 का शुभारंभ किया और यह दावा भी किया कि श्वेत क्रांति में महिलाओं की आत्मनिर्भरता एवं सशक्तिकरण के साथ कुपोषण के खिलाफ लड़ाई भी मजबूत होगी। दुग्ध उत्पादन में भारत को शीर्ष पर बनाये रखने के साथ अमित शाह इसे किसानों की आय का प्रमुख स्रोत बनाने में जुटे हैं। इस बीच एक बड़ी उपलब्धि यह हुई है की अब डेयरी से जुड़ी कोई भी मशीनरी विदेश से आयात करने की जरूरत नहीं पड़ रही है। इसका 100 फीसदी उत्पादन भारत में ही होने लगा है। यही नहीं दो लाख प्राथमिक सहकारी समितियों के पंजीकृत हो जाने के बाद एक भी पंचायत ऐसी नहीं बचेगी जहां पैक्स, डेयरी या मत्स्य सहकारी समितियां नहीं होंगी। तो क्या मोदी सरकार अपने इस कार्यकाल में किसानों की आय वास्तव में दोगुनी करने में सफल होगी? इस समय देश के 29 प्रमुख क्षेत्रों में सहकारी संस्थाएं काम कर रही हैं, आठ लाख से ज्यादा रजिस्टर्ड संस्थाएं हैं। गुजरात, आंध्र प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़ और असम जैसे राज्य में सबसे सहकारी संस्थाओं की संख्या ज्यादा है। इस समय भारतीय सहकारी क्षेत्र दुनिया के सबसे बड़ा है। देश के लगभग 30 करोड़ से अधिक लोगों सहकारिता के सदस्य हैं। देश की 20 प्रतिशत से अधिक आबादी सीधे इससे लाभान्वित है। दुनिया की जिन 300 सबसे बड़ी सहकारी समितियों का टर्नओवर सबसे ज्यादा है, उनमें से 15 भारत की हैं। भारत का इफ्को 72वें स्थान पर, अमूल 90वें स्थान पर है। नई प्रौद्योगिकी के जरिये कामकाज में पारदर्शिता लाना और सहकारी समितियों की बाजार हिस्सेदारी में बढ़ोतरी के लिए आवश्यक वित्त की व्यवस्था करना बहुत आवश्यक है। 2024 के बजट में सहकारी क्षेत्र के विकास के लिए एक व्यवस्थित और सर्वांगीण नीति की घोषणा की गई और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में तेज़ गति प्राप्त करने के लिए 1.54 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया। मोदी सरकार नेसहकारी क्षेत्र के लिए कई सुधार और प्रोत्साहन की योजनाएं शुरू की है। जैसे 1 से 10 करोड़ रुपये की आय वाली सहकारी समितियों के लिए सरचार्ज 12 से घटाकर 7 प्रतिशत कर दिया गया। सहकारी समितियों के लिए एमएटी 18.5 प्रतिशत से घटाकर 15 प्रतिशत किया गया ताकि सहकारी समितियों और कंपनियों के बीच समानता रहे। मोदी और शाह ने सहकारी समितियों के पारिस्थितिकी तंत्र को बदलने का जो अभियान शुरू किया है, उम्मीद की जानी चाहिए कि यह ग्रामीण भारत की तक़दीर बदलने में कामयाब होगा।

((लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

ज्ञान का अभिषेक

अखिल ब्रह्मांड ईश्वर का स्वरूप है। श्रावण मास में बरस रही जलधारा ही ऐसी प्रतीत होती है मानो प्रकृति इस धरा का अभिषेक कर रही है। प्रकृति के इसी कृत्य का अनुकरण हम मानव भी करते हैं। श्रावण मास में हम भी शिवलिंग पर जल चढ़ा कर अपने आपको ईश्वर के उसी कृत्य के साथ जोड़ लेते हैं। ईश्वर अथवा प्रकृति के गुणों को अपनाना सदाचार है।

संकलित

दर्शन

श्रावण मास हम यह अवसर दता ह। जल जावन ह आर यह धरता का पुनजाावत करता ह। वर्षा से प्रकृति पनपती है। तपती हुई धरती पर जब वर्षा होती है तो उसे शीतलता का आभास होता है। वनस्पतियां उगने लगती हैं। पेड़ों पर नए पत्ते लगने लगते हैं। जैसे श्रावण में लोगों को गर्मी से राहत मिलती है, वैसे ही ज्ञान के श्रवण से मन को पीड़ा और बेचैनी से राहत मिलती है। श्रावण में लोग एकत्रित होकर ज्ञान-श्रवण करते हैं। दिव्य कथाएं सुनते हैं। ईश्वर का गुणगान करते हैं, जिससे उन्हें संतोष प्राप्त होता है। जब मन पर ज्ञान का अभिषेक होता है, तो मन शांत और शीतल हो जाता है। श्रावण को सबसे पवित्र महीना माना जाता है, क्योंकि यह अनेक धार्मिक उत्सवों और पर्वों को अपने साथ लाता है। हिंदू कैलेंडर में श्रावण मास भगवान शिव को समर्पित है। शिव परिवर्तन के लिए उत्तरदायी ऊर्जा हैं। शिव जीवन के मार्ग की बाधाओं को दूर करने वाले हैं। वह पुरातन को विनष्ट कर नूतन के लिए मार्ग प्रशस्त करते हैं। शिव कल्याणकारी हैं। शिव कैलाश पर्वत पर निवास करते हैं। कैलाश का अर्थ ही है कि जहां केवल उत्सव हो, केवल आनंद हो।

ईश्वर ने मेरे भाग्य में क्या लिखा है

एक बार स्वामी विवेकानद जी अपने आश्रम में एक छोटे पालतू कुत्ते के साथ टहल रहे थे। तभी अचानक एक युवक उनके आश्रम में आया और उनके पैरों में झुक गया और कहने लगा- स्वामीजी मैं अपनी जिंदगी से बड़ा परेशान हूँ। मैं प्रतिदिन पुरुषार्थ करता हूँ लेकिन आज तक मैं सफलता प्राप्त नहीं कर पाया। पता नहीं ईश्वर ने मेरे भाग्य में क्या लिखा है, जो

संकलित

प्रेरणा

इतना पढ़ा-लखा हान क बावजूद भा म नाकामयाब ह। युवक का परशाना का स्वामाजा न तुरंत समझ लिया। उन्होंने युवक से कहा- भाई! थोड़ा मेरे इस कुत्ते को कहीं दूर तक सैर करा दो। उसके बाद मैं तुम्हारे प्रश्नों का उत्तर दूंगा। उनकी इस बात पर युवक को थोड़ा अजीब लगा लेकिन दोबारा उसने कोई प्रश्न नहीं किया और कुत्ते को दौड़ाते हुए आगे निकल पड़ा। कुत्ते को सैर कराने के बाद, जब वह युवक आश्रम में पहुंचा तो यह देखा कि युवक का चेहरा तेज है लेकिन उसका छोटा कुत्ता थक के जोर-जोर से हांफ रहा था। स्वामीजी ने पूछा- भाई, मेरा कुत्ता इतना कैसे थक गया? तुम तो बड़े शांत दिख रहे हो। क्या तुम्हें थकावट नहीं हुई? युवक ने कहा- स्वामीजी, मैं धीरे-धीरे आराम से चल रहा था, लेकिन मेरा कुत्ता अशांत था। सभी जानवरों के पीछे दौड़ता था, इसीलिए बहुत थक गया था। तब विवेकानंद ने कहा- भाई, तुम्हारे प्रश्नों का उत्तर तो यही है! तुम्हारा लक्ष्य तुम्हारे आसपास है, लेकिन तुम उससे दूर चलते हो। अन्य लोगों के पीछे दौड़ते रहते हो और तुम जो चाहते हो वह दूर हो जाता है। युवक ने विवेकानंद के उत्तर से संतुष्ट होकर अपनी गलती को सुधारने का निर्णय लिया।

अंतर्मन

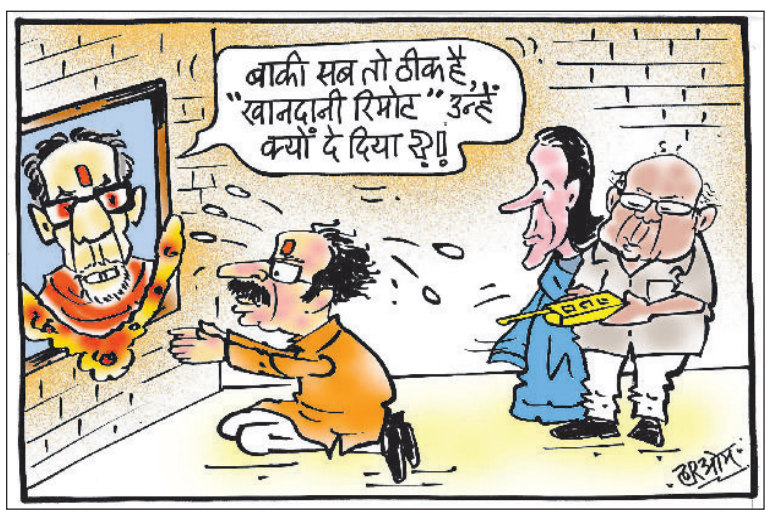

आज की पाती

संविधान का सम्मान जरूरी

26 नवंबर 1949 को भारतीय संविधान सभा द्वारा भारतीय संविधान को स्वीकृत किया गया था। इसी उपलक्ष्य में 26 नवंबर को भारतीय संविधान दिवस मनाया जाता है। संविधान की मर्यादा का ख्याल रखना भावी पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य के लिए जरूरी है। लेकिन ऐसा करेगा कौन? राजनेताओं को कुर्सी का मोह है और आमजन को सरकारों से मुफ्त योजनाओं की सौगात चाहिए। अगर ऐसा नहीं होता तो न तो देश की राजनीति दागदार होती, न देश में भ्रष्टाचार की जड़ें गहरी होती, न ही देश में कोई गरीब बच्चा शिक्षा से वंचित रहता, न कोई गरीब महंगे इलाज के कारण दम तोड़ता और न ही कोई व्यक्ति दो वक्त की रोटी को तरसता। हर भारतीय नागरिक को संविधान का सम्मान करना चाहिए। – *विपिन साहू, खरसिया*

ट्रेंड

विकास को बढ़ावा

बेहतर बुनियादी ढांचे का मतलब सपनों को जोड़ना और प्रगति को गति देना है। तीन प्रमुख रेल परियोजनाओं को कैबिनेट की मंजूरी से महाराष्ट्र, एमपी और यूपी को फायदा होगा। यह मुंबई और प्रयागराज के बीच व्यस्त खंडों में विकास को बढ़ावा देगा।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

संविधान राष्ट्र की जीवनधारा

संविधान को अपनाने का 75वां वर्ष आज से शुरू हो गया है। मैं इस ऐतिहासिक अवसर पर सभी भारतीयों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। हमारे पूर्वजों द्वारा परिश्रमपूर्वक और सावधानीपूर्वक तैयार किया गया भारत का संविधान हमारे राष्ट्र की जीवनधारा है।

-मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस अध्यक्ष

सफल राजनीतिक स्टार्टअप

12 साल पहले, अरविन्द केजरीवाल ने नई तरह की राजनीति का सपना देखने का साहस किया- एक ऐसी राजनीति जो आम आदमी को केंद्र में रखे। आज, आम आदमी पार्टी भारत की सबसे सफल राजनीतिक स्टार्टअप के रूप में खड़ी है।

-राघव चड्ढा, आप नेता

अनुशासित रहने के कदम

अनुशासित रहने के कदम: स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करें, एक दिनचर्या बनाएं, कार्यों को प्राथमिकता दें, सीमाएँ निर्धारित करें, आत्म-जागरूकता पैदा करें, सचेतनता का अभ्यास करें, स्वस्थ आदतें स्थापित करें, खुद को जवाबदेह ठहराएं, समर्थन मांगें।

-हर्ष गोयनका, उद्योगपति

करंट अफेयर

चौरसिया के बांसुरी वादन से इजराइल वासी हुए मंत्रमुग्ध

इजराइल में भारतीय संगीत के प्रशंसकों के बीच लोकप्रिय संगीतज्ञ और ग्रैमी पुरस्कार विजेता बांसुरी वादक राकेश चौरसिया ने यहां 25वें अंतरराष्ट्रीय ऊड महोत्सव में अपनी स्वर लहरियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। चौरसिया और तबला वादक पंडित कालीनाथ मिश्रा की जुगलबंदी ने संगीतप्रेमियों को बांधकर रखा। यह चौरसिया की इजराइल में चौथी प्रस्तुति थी। उनके चाचा पंडित हरिप्रसाद चौरसिया विश्व विख्यात बांसुरी वादक हैं। राकेश चौरसिया ने कहा, 'मुझे यहां बार-बार आना पसंद है क्योंकि यहां श्रोता हमेशा गर्मजोशी से स्वागत करते हैं। इस बार भी अच्छा अनुभव रहा।' दस दिवसीय उत्सव में ट्यूनीशियाई गायिका हबीबा मसिका को श्रद्धांजलि देना तथा 'ट्रैक्टर रिवेंज बैंड' और 'पियुट एन्सेम्बल' की जुगलबंदी भी शामिल है। भारतीय दूतावास में मिशन के उप प्रमुख राजीव बोडवाडे ने कहा, 'आज रात प्रतिष्ठित यरूशलम अंतरराष्ट्रीय ऊड उत्सव में दो बार के ग्रैमी पुरस्कार विजेता राकेश चौरसिया और पंडित कालीनाथ मिश्रा की प्रस्तुति भारत और इजराइल के बीच जारी सांस्कृतिक सहयोग में दीर्घकालिक योगदान देगी।'

ऑफ बीट

कुछ शिशु इतने ज्यादा बालों के साथ क्यों पैदा होते हैं?

शिशु शरीर पर पतले, मुलायम, छोटे और हल्के रंग के बालों के साथ पैदा होते हैं, जिन्हें 'लानुगो' (गर्भरोम) कहते हैं। यह शब्द लैटिन शब्द 'लाना' से बना है जिसका मतलब 'ऊन' होता है। कुछ शिशुओं में बाल मुश्किल से दिखाई देते हैं। कुछ में, बहुत सारे बाल होते हैं, खासकर चेहरे, कंधों, पीठ और सिर के आसपास। हालांकि, किसी भी तरह से 'लानुगो' चिंता की बात नहीं है और जन्म के कुछ सप्ताह बाद यह अपने आप ही गायब हो जाते हैं। जन्म के समय कुछ शिशुओं के शरीर पर इतने ज्यादा बाल क्यों होते हैं? लानुगो गर्भावस्था के तीसरे महीने के आसपास भ्रूण पर दिखाई देता है। भ्रूण गर्भ में जैसे-जैसे विकसित होता है, सातवें महीने तक ये बाल घने होते जाते हैं। यह शिशु के शरीर के अधिकांश हिस्से को ढंक लेता है, सिवाय उन क्षेत्रों को छोड़कर जहां बाल नहीं होते। सभी बच्चे 'लानुगो' के साथ पैदा नहीं होते, लेकिन गर्भावस्था के दौरान गर्भ में पल रहे शिशु में ये गर्भरोम जरूर होते हैं। अधिकांश शिशुओं में ये गर्भावस्था के 33-36 सप्ताह के आसपास गर्भ में ही निकल जाते हैं, जहां ये एमनियोटिक द्रव के साथ मिल जाते हैं और गर्भस्थ शिशु इन्हें निगल लेते हैं। इसके बाद लानुगो उनके शरीर की प्रणाली से होकर गुजरता है।

खत्म हुई 'पुष्पा 2' की शूटिंग

मुंबई। फिल्म 'पुष्पा 2' के पैचवर्क की फाइनल शूटिंग सोमवार को जाकर खत्म हो सकी है। चर्चाएं ये भी शुरू हो गई थीं कि फिल्म की रिलीज हो सकता है कि 5 दिसंबर से आगे खिसक जाए। निर्देशक सुकुमार की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'पुष्पा 2' की शूटिंग शुरू से ही सामान्य गति से नहीं चल पाई। कभी अल्लू अर्जुन और सुकुमार के बीच मतभेद की खबरें आईं। अल्लू अर्जुन के गेट अप बदलने की भी खूब बातें हुई और फिर दोनों अलग अलग छुट्टियां मनाने विदेश तक चले गए। किसी तरह मामला सुलटा तो पता चला कि फिल्म के विलेन फहद फासिल की तारीखें ही नहीं मैच हो रही हैं। इसी चक्कर में इस साल 15 अगस्त को रिलीज होने वाली फिल्म अब दिसंबर में रिलीज होना तय हुई है। फिल्म का प्रचार शुरू हो चुका है। अल्लू अर्जुन पटना और चेन्नई में फिल्म के ट्रेलर और गाने लेकर घूम आए हैं।

लाइफ Style

ऐश्वर्या

हाल ही में एक इवेंट में शामिल हुई ऐश्वर्या राय बच्चन ने एक बयान दिया है। जिसमें वह अपने मूल्यों से समझौता न करने की बात कर रही हैं। दरअसल, पिछले कुछ समय से ऐश्वर्या और अभिषेक के अलगाव को लेकर तरह तरह की बातें की जा रही हैं।

'अपने मूल्यों से समझौता न करें'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सोशल मीडिया पर कभी अभिषेक को निशाना बनाया जा रहा है तो कभी ऐश्वर्या के बारे में भी काफी कुछ कहा जा रहा है। ऐसे में अब ऐश्वर्या ने इस स्ट्रीट हरासमेंट को लेकर अपनी राय रखी है। ऐश्वर्या स्ट्रीट हरासमेंट के बारे में बात करती हैं और उससे निपटने का तरीका भी बताती हैं। वह कहती हैं, ' स्ट्रीट हरासमेंट से आप कैसे निपटते हैं? उन लोगों से आंखें नहीं मिलते हैं। नहीं ऐसा बिल्कुल ना करें। आप उस समस्या का सीधा सामना करें। हरासमेंट करने वाले व्यक्ति की आंखों में देखें और अपना सिर ऊंचा करके रखें। यह असल नारीवाद है। अपने मूल्यों से कभी समझौता ना करें। खुद पर कभी भी शक ना करें। अपने मूल्यों पर खड़े रहें। अपने पहनावे को इस हरासमेंट के लिए दोष ना दें। स्ट्रीट हरासमेंट की जिम्मेदार आप नहीं है, इसमें आपकी कोई गलती नहीं है।' अभिषेक बच्चन ने भी हाल ही में ऐश्वर्या को सराहा है। उन्होंने कहा कि वह फिल्में इसलिए कर पाते हैं क्योंकि उन्हें पता है कि ऐश्वर्या घर पर बेटी आराध्या की देखभाल अच्छे से कर रही हैं। इस बयान के बाद से अभिषेक और ऐश्वर्या के बीच के मनमुटाव और अलगाव की खबरों पर अब सवाल खड़ा हो गया है। ऐसा लगता है कि ये सिर्फ अफवाहें थीं या फिर अब इनके बीच सबकुछ ठीक हो गया है।

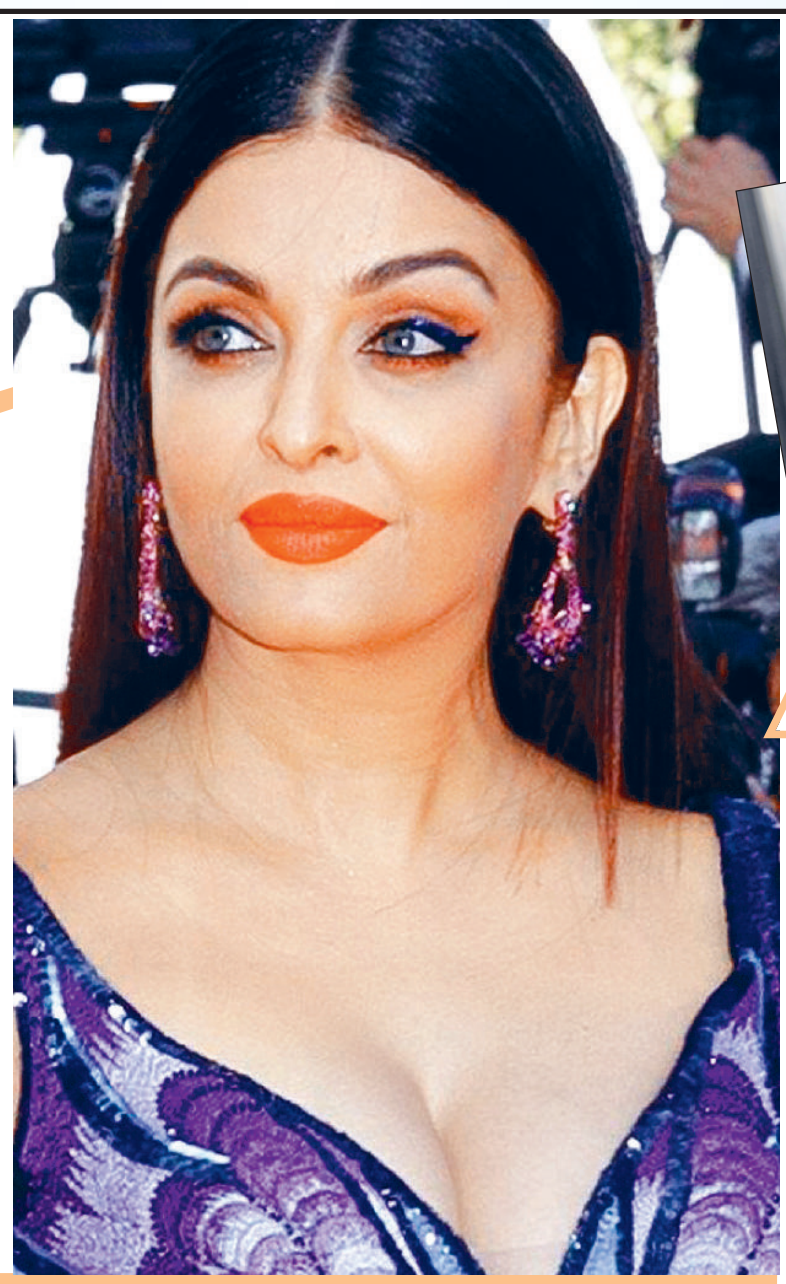

हॉलीवुड मसाला

एंजेलिना से भीख मांग रहे हैं ब्रैड

लॉस एंजिल्स। ब्रैड पिट कथित तौर पर एंजेलिना जोली के साथ अपनी कानूनी लड़ाई खत्म करने के लिए तैयार हैं। उनकी बस एक शर्त है कि वह उन्हें अपने बच्चों से मिलने दें, जिनके साथ उनका कोई सम्पर्क नहीं है। ब्रैड पिट और एंजेलिना जोली की कानूनी लड़ाई अब जल्द ही खत्म होने वाली है। ब्रैड परिवार से अलग हो चुके हैं और उन्हें केवल सबसे छोटे दो बच्चों से मिलने का अधिकार है। रिपोर्ट के मुताबिक, अगर एंजेलिना उन्हें अपने बच्चों से दोबारा मिलने की अनुमति देती हैं तो वह अपनी कानूनी लड़ाई को खत्म करने के लिए तैयार हैं।

लाइव कॉन्सर्ट में हो गईं इमोशनल..

लॉस एंजिल्स। टेलर स्विफ्ट के लिए वो पल काफी इमोशनल था, जब उनका एरास टूर खत्म होने वाला है। पीपुल की रिपोर्ट के मुताबिक, टोरंटो शो के दौरान 'शैंपेन प्रॉब्लम्स' परफॉर्म करने के बाद उन्हें एक मिनट तक खड़े होकर स्टैंडिंग ओवेशन मिला। यानी उनके लिए तालियां बजती रहीं। इस वजह से वो स्टेज पर ही इमोशनल हो गईं। टेलर स्विफ्ट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वो कह रही हैं, 'टोरंटो, हम इस टूर के फाइनल स्टेज में हैं। इसलिए आप ऐसा कर रहे हैं। आपको नहीं पता है, ये मेरे लिए कितना मायने रखता है।' इसके बाद टेलर रुकीं और अपने आंसू पोंछे। टेलर ने आगे कहा, 'ये आखिरी शो भी नहीं है! मेरा बैंड, मेरी टीम, मेरे साथियों ने इसमें अपना बहुत सारा जीवन लगा दिया है। आप भी इसका हिस्सा बने।

इंडस्ट्री नहीं, मीडिया नेपोटिज्म की जिम्मेदार...

नई दिल्ली। नई दिल्ली में जन्मी और जे पी इंस्टीट्यूट से इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल करने के बाद फिल्म जगत में कदम रखने वाली कृति सैनन की पहचान मुंबई में मैडॉक गर्ल के रूप में रही है। हाल ही में इफ्फी 2024 में उन्होंने नेपोटिज्म पर अपने विचार व्यक्त किए। नेटफ्लिक्स की तरफ से प्रायोजित महिला सशक्तीकरण पर हुए एक कार्यक्रम में कृति ने वंशवाद पर चर्चा के दौरान कहा, 'मुझे लगता है कि नेपोटिज्म के लिए इंडस्ट्री उतनी जिम्मेदार नहीं है। इसके लिए मीडिया और दर्शक भी जिम्मेदार हैं।' अभिनय का सर्वोच्च सम्मान यानी राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार दिलाने वाली फिल्म 'मिमी' के बारे में कृति सैनन ने कहा कि फिल्म'मिमी' उनके अभिनय करियर में अब तक का सबसे साहसिक विकल्प रहा और उस जोखिम का उन्हें अच्छा परिणाम भी मिला।

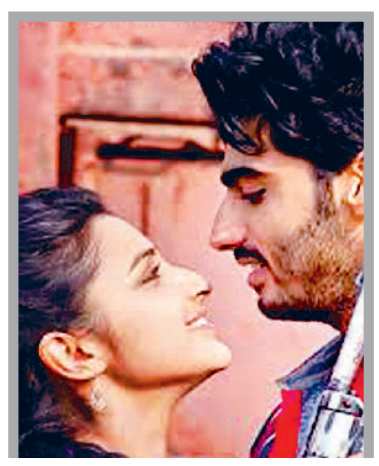

'इश्कजादे' में कास्टिंग के खिलाफ थे अर्जुन

नई दिल्ली। 2012 में फिल्म इश्कजादे से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत करने वाले बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर ने हाल ही में एक इंटरव्यू में माना कि वह इश्कजादे में अपनी को-स्टार परिणीति चोपड़ा को कास्ट करने के खिलाफ थे। 2012 में अर्जुन कपूर ने परिणीति चोपड़ा के साथ इश्कजादे में अपने अभिनय की शुरुआत की। लेकिन उस समय, परिणीति अपनी पहली फिल्म लेडीज वर्सेस रिकी बहल के साथ शोबिज में कदम रख चुकी थीं, जबकि वह सेट पर काफी शांत और मजेदार थीं। लेकिन फिल्म में परिणीति के साथ काम के बाद अर्जुन का रवैया बदल गया। एक इंटरव्यू के दौरान, अर्जुन कपूर ने यह स्वीकार किया कि जब उनकी फिल्म इश्कजादे की कास्टिंग हुई थी, तब वह परिणीति चोपड़ा के खिलाफ थे।

टीवी मसाला

अर्चना पूरन सिंह को रिक्शे में बिठाया, बीवी से करवाई बात

नई दिल्ली। अर्चना पूरन सिंह वैसे तो खूब पॉपुलर हैं ही, लेकिन अब 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' ने उनका स्टारडम और बढ़ा दिया है। हाल ही जब वह रिक्शा में घूमने निकलीं, तो रिक्शा ड्राइवर ने उन्हें पहचान लिया। अर्चना पूरन सिंह तब हैरान रह गईं, जब उन्होंने देखा कि रिक्शावाला उनके बारे में भी उनसे भी अधिक जानता था। यही नहीं, रिक्शा ड्राइवर ने अर्चना पूरन सिंह से 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' और सुमोना चक्रवर्ती के बारे में पूछा। अर्चना ने रिक्शा ड्राइवर के साथ बातचीत और उसके साथ सवारी का बेहद प्यारा वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो को देख फैंस अर्चना पूरन सिंह की खूब तारीफ कर रहे हैं। फैंस का कहना है कि बहुत कम सिलेब्रिटीज होते हैं, जो इस तरह अपने फैंस से बात करते हैं, उन्हें अपनेपन का अहसास करवाते हैं। और अर्चना एकदम वैसी ही हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि रिक्शा ड्राइवर फोन पर पत्नी से बात कर रहा है। वह बोलता है, 'वो कपिल का शो जज करती हैं ना अर्चना जी, वो मेरी रिक्शा में बैठी हैं। वो वर्सोवा में रहती हैं।' फिर अर्चना साथ-साथ बताती हैं कि रिक्शा चालक ने पत्नी को फोन किया और फिर उनसे कहा कि वह भी उसकी पत्नी से बात करें।

अमिताभ ज्यादा पैसा कमाने की चाह में जाते थे रेसकोर्स...

नई दिल्ली। अमिताभ बच्चन इन दिनों 'कौन बनेगा करोड़पति 16' को होस्ट कर रहे हैं। बीते हफ्ते उनके बेटे और एक्टर अभिषेक बच्चन आए थे और इस बार उनके शो में साइबर सिक्योरिटी कंपनी के सलाहकार अंशुमान माथुर और परितोष गुप्ता पहुंचे। यहां खेल के दौरान एक्टर ने अपने संघर्ष के दिनों से जुड़ा एक किस्सा सुनाया। बताया कि वह रेसकोर्स जाते थे जिससे कुछ पैसे कमा सकें। अमिताभ बच्चन ने रेसकोर्स के बारे में बात करते हुए कहा कि अक्सर लोग वहां जाते हैं और उसकी उन्हें लत लग जाती है। उन्होंने बताया, 'मैं ये सब इसलिए कह रहा हूं क्योंकि एक वक्त था जब मैं कोलकाता में काम करता था और वहां एक रेस कोर्स भी था। मैं 300-400 रुपए कमाता था। लेकिन, मेरे लिए ये पर्याप्त नहीं था। मैं और पैसे कमाने की उम्मीद में उस रेसकोर्स में जाता था।'

हमसफर जहीर के साथ सोनाक्षी की मस्ती...

मुंबई। सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल बॉलीवुड की पसंदीदा जोड़ी में शुमार हैं। धर्म की दीवार तोड़ दोनों इसी साल शादी के बंधन में बंधे। दोनों इस वक्त विदेश घूमने निकले हैं। सोनाक्षी सिन्हा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने जहीर के साथ अपनी रोमांटिक फोटो शेयर की हैं। जहीर और सोना बेहद प्यारे लग रहे हैं। साझा किए गए फोटोज में जहीर और सोनाक्षी एक दूजे की बाहों में खोए रोमांटिक पोज दे रहे हैं। इसके अलावा सोनाक्षी कबूतरों के साथ खेलती और उन्हें दाना खिलाती नजर आ रही हैं। एक- दूसरे के साथ क्वालिटी टाइम बिताने की खुशी दोनों के चेहरे पर साफ नजर आ रही है। बता दें कि ये जोड़ी इन दिनों इटली यात्रा पर है। इनके साथ कुछ करीबी दोस्त भी साथ घूमने निकले हैं। सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल ने इस साल जून में रजिस्टर मैरिज की। इनकी शादी एक निजी समारोह में आयोजित हुई, जिसमें इनके इंडस्ट्री के करीबी दोस्त भी शामिल हुए।

यह है हिंदी फिल्मों का सबसे मनहूस टाइटल जितनी बार बनी फिल्म, उतनी बार हुआ घाटा

__नई दिल्ली।__ बॉलीवुड में अक्सर कुछ कुछ समय अंतराल के बाद ऐसी फिल्मे बनती हैं, जिनके नाम शामिल होते हैं। हालांकि इन फिल्मों का आपस में कोई वास्ता नहीं होता। लेकिन, एक टाइटल ऐसा है जिनके बीच में तगड़ा कनेक्शन है। ये टाइटल इसलिए सबसे अलग है क्योंकि जब-जब इस टाइटल पर फिल्में बनी तब-तब वो बुरी तरह फ्लॉप रहीं। और, यही इन फिल्मों का आपसी नाता भी है। आज हम आपको ऐसा ही शब्द बताने जा रहे हैं, जिस पर एक नहीं, कई कई बार फिल्म बनीष पर इत्तेफाक देखिए कि हर बार वो फिल्म फ्लॉप ही रही। और कभी तो डिजास्टर भी बनी। इस फिल्म की वजह से एक एक्टर तो डिप्रेशन का भी शिकार हो गया।

यह है फिल्म का नाम

हम जिस शब्द की बात कर रहे हैं जो फिल्मों के लिए मनहूस साबित हुआ वो शब्द है 'कर्ज'। इस नाम से बॉलीवुड में तीन फिल्में बनी। इसके बाद पांच फिल्मों में कर्ज नाम का शब्द इस्तेमाल हुआ और वो फिल्में भी बुरी तरह धराशायी हुईं। कर्ज नाम की एक मूवी में ऋषि कपूर और टीना मूनिम हैं। एक मूवी में सनी देओल और शिल्पा शेट्टी हैं। ऋषि कपूर की कर्ज मूवी का साल 2008 में हिमेश रेशमिया ने रीमेक बनाया वो भी फ्लॉप ही साबित हुई। इसके अलावा प्यार का कर्ज, दूध का कर्ज, कर्ज चुकाना है, महान कर्ज, कर्ज तेरे खून का जैसी कुछ और फिल्में बनी। जो फ्लॉप ही रहीं।

डिप्रेशन में चला गया एक्टर

ऋषि कपूर की कर्ज मूवी में राज किरण नाम का भी एक एक्टर था जो ऋषि कपूर के पहले जन्म का किरदार अदा करता है। फिल्म में सिमी ग्रेवाल का कैरेक्टर इसी एक्टर की जान लेता है। राज किरण इस फिल्म के बाद कुछ अन्य फिल्मों में भी नजर आए। लेकिन, उनके जैसा उम्दा एक्टर अचानक एक दिन फिल्मी पर्दे से गायब हो गया। हालांकि, बाद में कुछ ऐसी खबरें भी आईं कि वो डिप्रेशन में हैं।

एक फिल्म ने बदली ऐसी किस्मत कि सुपरस्टार्स पर पड़े भारी

एक्टिंग छोड़ बेचे अंडे, चलाई टैक्सी, ड्राइवर भी बने...

__नई दिल्ली।__ महमूद का नाम बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेताओं के लिस्ट में शुमार था। लोग उनकी फिल्मों के दीवाने थे। महमूद आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन आज भी लोग उनकी फिल्में देखना पसंद करते हैं। उन्हें बॉलीवुड का कॉमेडियन किंग कहा जाता था। बता दें, महमूद की रियल लाइफ किसी रील लाइफ से कम नहीं थी। आज हम आपको महमूद से जुड़ी कुछ ऐसी बात बताने जा रहे हैं, जिसे जान आप भी हैरान रह जाएंगे। बता दें, महमूद ने अपने एक्टिंग करियर में करीब 300 से ज्यादा फिल्मों में काम किया था। एक्टर ने 23 जुलाई 2004 को इस दुनिया को अलविदा कह दिया था।

लीड एक्टर से ज्यादा फीस लेते थे

महमूद भले ही एक कॉमेडियन थे, लेकिन अपने जमाने में वह किसी सुपरस्टार से कम नहीं थे। आपको जानकर हैरानी होगी कि 1950-60 के दशक में महमूद फिल्म के लीड एक्टर से ज्यादा फीस लेते थे। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो वह 15 दिन की शूटिंग में ही लखपति बन जाते थे। 'द प्रिंट' की एक रिपोर्ट के अनुसार, महमूद को फिल्मों के मुख्य अभिनेताओं से भी अधिक भुगतान किया जाता था। कुछ लोग तो यह भी कहते हैं कि जो निर्माता अपनी फिल्मों को ब्रांड बनाने के इच्छुक थे, उन्होंने फिल्म क्रेडिट में महमूद के नाम का उल्लेख किया करते थे। 1962 में प्रदीप कुमार और मीना कुमारी की फिल्म आरती में महमूद के लिए एक स्पेशल कैरेक्टर बनाया था। कहा जाता है कि महज 14 दिनों की शूटिंग के लिए महमूद 7.5 लाख रुपए कमाते थे जो उस जमाने में बहुत बड़ी रकम थी।

'परवरिश' ने बदली किस्मत

इसके अलावा घर की आर्थिक सुधारने के लिए उन्होंने अंडे बेचने और टैक्सी चलाने जैसे काम भी करने लगे। फिर एक दिन महमूद की किस्मत बदली, लेकिन कैसे चलिए आपको बताते हैं। साल 1958 में राज कपूर की फिल्म 'परवरिश'रिलीज हुई। यही वो फिल्म थी, जिसने महमूद को गरीबी से अमीरी तक पहुंचाने का काम किया। इस फिल्म से महमूद की किस्तम रातों रात बदल गई। बता दें, इस फिल्म में महमूद ने राज कपूर के भाई की भूमिका निभाई थी।

मेकर्स से वसूल करते थे मुंहमांगी कीमत

1950 से 1970 तक देवानंद, राज कुमार, राज कपूर, मनोज कुमार-राजेंद्र कुमार जैसे सुपरस्टार्स की फिल्में काफी देखी जाती थीं। ये सितारे उन दिनों बॉलीवुड के सबसे महंगे सितारों में गिने जाते थे। कहा जाता है कि वे उस समय भी एक फिल्म के लिए मेकर्स से मुंहमांगी कीमत वसूल करते थे। हालांकि, आपको जाकर हैरानी होगी कि इनकी फिल्मों में बतौर सेकेंड लीड एक्टर काम करने वाले महमूद इनसे ज्यादा फीस लेते थे। फीस के मामले में वह अकेले सारे सुपरस्टार्स पर भारी पड़ गए थे।

पहली फिल्म थी 'किस्मत'

खबरों की मानें तो महमूद का अभिनय करियर बचपन में ही शुरू हो गया था। उन्हें पहली बार बॉम्बे टॉकीज द्वारा निर्मित ज्ञान मुखर्जी की फिल्म 'किस्मत' में कास्ट किया गया था। इस फिल्म में अशोक कुमार लीड एक्टर थे, जबकि महमूद का बेहद मामूली रोल था। यह फिल्म 1943 में रिलीज हुई थी। उनकी पहली ही फिल्म दर्शकों को काफी ज्यादा पसंद आई थी। कहा जाता है कि 'किस्मत' फिल्म के बाद महमूद ने एक्टिंग करना छोड़ दिया था, क्योंकि परिवार आर्थिक तंगी से जूझने लगा था। इसके बाद महमूद छोटी-मोटी नौकरियां करने लगे। घर का खर्चा चलाने के लिए उन्होंने राज कुमार संतोषी के पिता पीएल संतोषी के लिए ड्राइवर बन गए।

छात्र संघ की जगह युवा संसद के गठन पर विचार करें विश्वविद्यालय : सीएम योगी

संवाददाता

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजनीति में अच्छे और पढ़े लिखे युवाओं के आने का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आह्वान दोहराते हुए बुधवार को कहा कि विश्वविद्यालयों को यह विचार करना चाहिए कि छात्र संघ की जगह क्या युवा संसद का गठन कर सकते हैं। यहां इलाहाबाद विश्वविद्यालय के 136वें दीक्षांत समारोह को मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा, इस युवा संसद के लिए हर कक्षा में तय होना चाहिए कि पहले ही वर्ष में कोई छात्र चुनाव लड़ने के लिए ना आने पाए।

उन्होंने कहा, हर कक्षा में पहले वर्ष प्रतिनिधि चुने जाएं और फिर उन प्रतिनिधियों में तय किया जाए कि कौन दूसरे या तीसरे वर्ष या फिर स्नातकोत्तर कक्षा में चुनाव के मैदान के लिए खुद को तैयार कर सकते हैं और कौन चुनाव लड़ेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, जीवन के अलग-अलग क्षेत्र में कार्य करने वाले वे छात्र समाज को दिशा दे सकते हैं। योगी आदित्यनाथ ने एक घटना साझा की जिसमें उन्हें एक विश्वविद्यालय में एक व्यक्ति मिला जिसकी उम्र बहुत अधिक थी। तभी उन्हें किसी ने बताया कि अमुक व्यक्ति छात्र संघ का उपाध्यक्ष है और उसका बेटा उसी विश्वविद्यालय में बीए का छात्र है।

मुख्यमंत्री ने कहा, इस घटना से मुझे लगा कि उस व्यक्ति ने छात्र संघ का पदाधिकारी बनने के लिए ही विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया है। आखिर इसकी भी एक सीमा होनी चाहिए। विश्वविद्यालय में कोई लंबे समय तक रहना चाहता है तो वह शोध करे। छात्र संघ का चुनाव लड़ने के लिए एक समय सीमा तय करनी पड़ेगी। उन्होंने कहा कि सत्र नियमित करके समय से छात्रसंघ के चुनाव कराने चाहिए। लेकिन इसके लिए भी छात्रों को एकत्रित करने उनके बीच वाद विवाद (डिबेट) कराएं। मुख्यमंत्री ने कहा, याद रखें कि जाति, मत और मजहब के आधार पर जब भी आप युवा शक्ति को बांटोगे, यह विभाजन ना केवल भारत की प्रतिभा का होगा, बल्कि यह उनके विकास की धारा को भी बाधित करेगा।

भीषण ठंड और कोहरे के लिए यलो अलर्ट जारी

आज लखनऊ की ऐसी है हवा, खुल कर सांस लेना मुश्किल

संवाददाता

लखनऊ। यूपी के अभी बारिश होने की संभावना कुछ दिनों बाद है। लेकिन पूर्वी उत्तर प्रदेश में सुबह के समय कोहरा छाए रहने की संभावना है। पूरे देश में वायु गुणवत्ता बहुत खराब रहने की संभावना व्यक्त की गई है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में सुबह के समय अलग-अलग स्थानों पर मध्यम से घना कोहरा छा सकता है। प्रदेश की राजधानी लखनऊ में वायु प्रदूषण की स्थिति खराब है। शहर के प्रमुख क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) चिंताजनक स्तर पर पहुंच चुका है। स्वच्छ और स्वस्थ वायु के लिए एक्यूआई का स्तर 0-50 के बीच होना चाहिए, लेकिन राजधानी के कई क्षेत्रों में यह 200 से ऊपर है, जो खराब और बहुत खराब श्रेणी में आता है। गोमती नगर का एक्यूआई 164 है, जिसे मध्यम माना गया है। वहीं, लालबाग और तालकटोरा जैसे इलाकों में यह क्रमशः 319 और 304 तक पहुंच गया है, जो बहुत खराब श्रेणी में आता है।

भारत की प्राण शक्ति बहुत से लोगों को दिखाई नहीं देती: आरएसएस प्रमुख

एजेंसी

नई दिल्ली, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने मंगलवार को कहा कि भारत के पास अपनी प्राण शक्ति है, लेकिन यह कई लोगों को दिखाई नहीं देती क्योंकि उनकी चेतना में 500 साल पुराने संस्कार गहराई से समाए हुए हैं। एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि यह भारत की प्राण शक्ति है जो दुनिया के किसी भी हिस्से में संकट आने पर मदद के लिए आगे आती है, बिना यह विचार किए कि जिस देश को संकट का सामना करना पड़ रहा है, वह दोस्त है या शत्रु। उन्होंने कहा, भारत में प्राण शक्ति है जो हमारी आंखों के सामने है लेकिन यह दिखाई नहीं देती क्योंकि 500 वर्षों के संस्कार हमारे अंदर गहराई से समाए हुए हैं। उन्होंने लोगों से अपनी और देश की प्राण शक्ति को प्राप्त करने के लिए भारतीय आध्यात्मिक प्रथाओं का अनुसरण करने का आह्वान किया।

उत्तर प्रदेश में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर कार और ट्रक में भिड़ंत

5 डॉक्टरों समेत छह की मौत

संवाददाता

कन्नौज, उत्तर प्रदेश के कन्नौज जिले में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर एक दुखद घटना में कार और ट्रक में टक्कर होने से कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और एक घायल हो गया। यह हादसा उस समय हुआ जब तेज रफ्तार कार डिवाइडर तोड़कर ट्रक से जा टकराई। जानकारी के अनुसार, मरने वाले छह लोगों में से पांच पेशे से डॉक्टर थे। पीड़ित सैफई मेडिकल कॉलेज से जुड़े थे और लखनऊ से सैफई लौट रहे थे। यह हादसा तिर्वा कोतवाली क्षेत्र में 196 किलोमीटर के पास हुआ। अधिकारी दुर्घटना के सही कारण का पता लगाने के लिए घटना की जांच कर रहे हैं। यह हादसा बुधवार सुबह करीब 3:43 बजे हुआ। कथित तौर पर चालक को झपकी आने के बाद कार ने नियंत्रण खो दिया और डिवाइडर तोड़कर विपरीत दिशा में जा रहे ट्रक से जा टकराई।

पुलिस ने क्या कहा?

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस हादसे में पांच डॉक्टरों समेत छह लोगों की मौत हो गई। जयवीर सिंह नामक एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया है और उसका सैफई मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। पुलिस ने मृतकों के परिजनों को सूचित कर दिया है और शवों को शवगृह भेज दिया गया है।

मौसम

अधिकतम तापमान 33.c

न्यूनतम तापमान 24.c

बाजार

सोना 7,177/ g

चांदी 96/ g

सेंसेक्स 81,634.72

निफ्टी 25,013.85

तेलंगाना में मध्याह्न भोजन करने से 22 छात्र बीमार, जांच जारी

एजेंसी

नई दिल्ली, तेलंगाना के नारायणपेट जिले के एक सरकारी स्कूल के कम से कम 22 छात्रों को सिरदर्द और पेट दर्द की शिकायत के बाद मंगलवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारी इस बात की जांच कर रहे हैं कि कहीं बच्चे स्कूल में परोसे गए मध्याह्न भोजन की वजह से तो बीमार नहीं पड़े हैं। जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) के अनुसार, प्रभावित छात्रों ने पास की बेकरी और दुकानों से भी खाद्य पदार्थ खरीदकर खाया था, तथा प्रारंभिक जानकारी के आधार पर प्रयोगशाला परीक्षण के लिए वहां से भी नमूने एकत्र कर लिए गए हैं। अधिकारी ने बताया कि मंगलवार को मगनूर के जिला परिषद हाई स्कूल में जिले के अधिकारियों, स्कूल के प्रधानाध्यापक और शिक्षकों के साथ 400 से ज्यादा छात्रों ने मध्याह्न भोजन किया था लेकिन अपराह्न 3.30 बजे 22 छात्रों को सिर दर्द, पेट दर्द और उल्टी के लक्षण दिखने लगे। अधिकारी ने बताया कि उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने उपचार के बाद पुष्टि की कि वे सुरक्षित हैं। उल्टी करने वाले एक छात्र ने बताया कि आलू और बैंगन ठीक से नहीं पके थे, जबकि दूसरे को पेट में दर्द था।

राहुल गांधी ने फिर साधा भाजपा पर निशाना

अडानी को जेल में होना चाहिए, सरकार उन्हें बचा रही है

एजेंसी

नई दिल्ली, अडानी रिश्वत मामला बुधवार को संसद के अंदर और बाहर दोनों जगह गूंजा, जब दो वरिष्ठ वकीलों ने अडानी समूह के अध्यक्ष के खिलाफ अमेरिकी आरोपों में छेद करने का प्रयास किया, जिसके बाद कांग्रेस और भाजपा के बीच तीखी नोकझोंक हुई। कई विपक्षी नेताओं द्वारा रिश्वत मामले पर चर्चा के लिए नोटिस दिए जाने के बाद संसद में हंगामा देखने को मिला, जिसके चलते दोनों सदनों को स्थगित कर दिया गया और अन्य सभी कामकाज निलंबित कर दिए गए।

संसद परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अडानी की गिरफ्तारी के लिए अपना आह्वान दोहराया और कहा कि उद्योगपति अमेरिकी अभियोजकों द्वारा उल्लिखित आरोपों को कभी स्वीकार नहीं करेंगे। लोकसभा एलओपी और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि क्या आपको लगता है कि अडानी आरोप स्वीकार करेंगे? जाहिर है, वह आरोपों से इनकार करेंगे। मुद्दा यह है कि उसे गिरफ्तार किया जाना चाहिए। छोटे-

छोटे आरोपों में सैकड़ों लोगों को गिरफ्तार किया जा रहा है। अडानी पर संयुक्त राज्य अमेरिका में हजारों करोड़ का आरोप लगाया गया है, उन्हें जेल में होना चाहिए। सरकार उनकी सुरक्षा कर रही है।

कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कहा कि तथ्य यह है कि दो अभियोग दायर किए गए हैं, एक न्यूयॉर्क के पूर्वी जिले के अटॉर्नी द्वारा और दूसरा संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रतिभूति और विनिमय आयोग द्वारा। इसलिए वे स्पष्ट रूप से अमेरिकी अदालत के समक्ष ये तर्क देने के लिए स्वतंत्र हैं। मूल मुद्दा यह है कि ये अभियोग भारत के कारोबारी माहौल के संबंध में किस तरह का संदेश भेजते हैं। उन्होंने कहा कि नंबर दो, भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड क्या कर रहा था? यदि अमेरिकी नियामक को अभियोग दायर करने के लिए पर्याप्त सबूत मिले हैं। यदि आप हिंडनबर्ग रिपोर्ट को याद करें, तो अडानी समूह के संबंध में मुद्दे न केवल सार्वजनिक डोमेन में थे, बल्कि भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा भी इस पर आंदोलन किया जा रहा था या फैसला सुनाया जा रहा था। तो सवाल यह है कि नियामकों को विनियमित कौन करेगा? इसलिए, इसमें बड़े मुद्दे शामिल हैं और इसीलिए हम संसद के दोनों सदनों में चर्चा की मांग कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

मुख्तार अंसारी की पत्नी

अफशां अंसारी की दो करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क

लखनऊ । लखनऊ पुलिस ने गैंगस्टर से नेता बने मुख्तार अंसारी की पत्नी अफशां अंसारी की लखनऊ के गोमती नगर के विभूति खंड इलाके में दो करोड़ रुपये की अचल संपत्ति कुर्क कर ली। गाजीपुर के पुलिस अधीक्षक इराज राजा ने बताया कि जिलाधिकारी के आदेश के बाद उत्तर प्रदेश गैंगस्टर्स और असामाजिक क्रियाकलाप (रोकथाम) अधिनियम के प्रावधानों के तहत दिवंगत पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी की पत्नी अफशां अंसारी द्वारा अवैध रूप से अर्जित किए गए लखनऊ के चेल्सी टॉवर स्थित फ्लैट को मंगलवार को कुर्क कर लिया गया।

राहुल गांधी ने फिर साधा भाजपा पर निशाना

अडानी को जेल में होना चाहिए, सरकार उन्हें बचा रही है

एजेंसी

नई दिल्ली, अडानी रिश्वत मामला बुधवार को संसद के अंदर और बाहर दोनों जगह गूंजा, जब दो वरिष्ठ वकीलों ने अडानी समूह के अध्यक्ष के खिलाफ अमेरिकी आरोपों में छेद करने का प्रयास किया, जिसके बाद कांग्रेस और भाजपा के बीच तीखी नोकझोंक हुई। कई विपक्षी नेताओं द्वारा रिश्वत मामले पर चर्चा के लिए नोटिस दिए जाने के बाद संसद में हंगामा देखने को मिला, जिसके चलते दोनों सदनों को स्थगित कर दिया गया और अन्य सभी कामकाज निलंबित कर दिए गए। संसद परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अडानी की गिरफ्तारी के लिए अपना आह्वान दोहराया और कहा कि उद्योगपति अमेरिकी अभियोजकों द्वारा उल्लिखित आरोपों को कभी स्वीकार नहीं करेंगे। लोकसभा एलओपी और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि क्या आपको लगता है कि अडानी आरोप स्वीकार करेंगे? जाहिर है, वह आरोपों से इनकार करेंगे। मुद्दा यह है कि उसे गिरफ्तार किया जाना चाहिए। छोटे-छोटे आरोपों में सैकड़ों लोगों को गिरफ्तार किया जा रहा है। अडानी पर संयुक्त राज्य अमेरिका में हजारों करोड़ का आरोप लगाया गया है, उन्हें जेल में होना चाहिए। सरकार उनकी सुरक्षा कर रही है। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कहा कि तथ्य यह है कि दो अभियोग दायर किए गए हैं, एक न्यूयॉर्क के पूर्वी जिले के अटॉर्नी द्वारा और दूसरा संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रतिभूति और विनिमय आयोग द्वारा। इसलिए वे स्पष्ट रूप से अमेरिकी अदालत के समक्ष ये तर्क देने के लिए स्वतंत्र हैं। मूल मुद्दा यह है कि ये अभियोग भारत के कारोबारी माहौल के संबंध में किस तरह का संदेश भेजते हैं। उन्होंने कहा कि नंबर दो, भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड क्या कर रहा था? यदि अमेरिकी नियामक को अभियोग दायर करने के लिए पर्याप्त सबूत मिले हैं।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) धौरपुर, जिला सरगुजा (छ०ग०)

रा.प्र.क्र.- 202302022700004/अ-23/20-21

ग्राम- करौली, तहसील- लुण्ड्रा (धौरपुर)

1- मोहरसाय आ० सोमरा जाति उराँव उम्र 55 वर्ष, निवासी ग्राम करौली, तहसील- लुण्ड्रा (धौरपुर) जिला- सरगुजा

2- रामनाथ आ० सोमरा, जाति उराँव उम्र 50 वर्ष, निवासी ग्राम करौली, तहसील- लुण्ड्रा (धौरपुर) जिला- सरगुजा

आवेदकगण

प्रति.

1- तिहारो पुत्री बरन जाति पनिका, निवासी ग्राम करौली, तहसील- लुण्ड्रा (धौरपुर) जिला- सरगुजा

2- सुधरी पुत्री बरन जाति पनिका, निवासी ग्राम करौली, तहसील लुण्ड्रा (धौरपुर) जिला- सरगुजा

3- मधुलता सोनी आ० अम्बिका प्रसाद सोनी निवासी ग्राम करौली, तहसील लुण्ड्रा (धौरपुर) जिला सरगुजा

4- भरत आ० महावीर, निवासी ग्राम करौली, तहसील लुण्ड्रा (धौरपुर) जिला- सरगुजा

अनावेदकगण

//सार्वजनिक सूचना//

एतद् द्वारा सर्व संबंधित को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण क्रमशः (1) मोहरसाय आ० सोमरा जाति उरांव, उम्र 55 वर्ष (2) रामनाथ आ० सोमरा, जाति उरॉव उम्र 50 वर्ष निवासी ग्राम करौली, तहसील- लुण्ड्रा (धौरपुर) जिला सरगुजा के द्वारा छ०ग० भू-राजस्व सहिता की धारा 170 (ख) के तहत ग्राम करौली तहसील लुण्ड्रा (धौरपुर) जिला-सरगुजा स्थित वादभूमि खसरा क्रमाक-137, 1189, 1242 रकबा 0.96, 0.54, 0.29 हे० भूमि जो वर्तमान राजस्व अभिलेखो में अनावेदकगण तिहारो, सुधरी आ० बरन वर्ग अन्य पिछड़ा वर्ग, जाति पनिका के नाम पर अकित है. को संहिता की संहिता की धारा 170 (ख) के तहत वापस दिलाये जाने हेतु निवेदन किया गया है। आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन के आधार पर इस न्यायालय में रा.प्र.क्र. 202302022700004/अ-23/20-21 पंजीबद्ध कर प्रकरण में जांच की कार्यवाही प्रांरभ की गई। वर्तमान में प्रकरण अनावेदक क्रमाक 1 तिहारो पुत्री बरन जाति पनिका, निवासी ग्राम करौली, तहसील- लुण्ड्रा (धौरपुर) जिला- सरगुजा एव अनावेदक क्रमाक 2 सुधरी पुत्री बरन जाति पनिका, निवासी ग्राम करौली, तहसील- लुण्ड्रा (धौरपुर) जिला सरगुजा के उपस्थिति हेतु लंबित है। अतः इस सार्वजनिक सूचना के माध्यम से अनावेदक क्रमांक 1 तिहारो पुत्री बरन जाति पनिका, निवासी ग्राम करौली, तहसील- लुण्ड्रा (धौरपुर) जिला- सरगुजा एव अनावेदक क्रमांक 2- सुधरी पुत्री बरन जाति पनिका, निवासी ग्राम करौली, तहसील- लुण्ड्रा (धौरपुर) जिला- सरगुजा को सूचित किया जाता है कि निर्धारित सुनवाई तिथि 10/12/2024 को न्यायालय के समक्ष उपस्थित होकर वादभूमि के सबंध में अपना पक्ष प्रस्तुत करे। निर्धारित सुनवाई ड्ट तिथि को उपस्थित नहीं होने की दशा में यह माना जावेगा कि वादभूमि के सबंध में आपको कुछ नही कहना है, और आपकी मौन स्वीकृति मानते हुए आपके विरुद्ध एकपक्षीय कार्यवाही किया जाकर प्रकरण में अग्रेत्तर कार्यवाही की जावेगी। आज दिनांक 18/11/2024 मे मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी एवं उद्घोषित।

(नीरज कौशिक)
अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
धौरपुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा०) उदयपुर जिला सरगुजा

₹ईश्तहार₹

रा०प्र०क्र०/ /अ-02/2020-2021

आवेदक शिवविलास यादव पिता स्व. सुखराम यादव, निवासी ग्राम घाटबर्रा, तहसील उदयपुर, जिला सरगुजा के द्वारा उसके स्वत्व एवं आधिपत्य की ग्राम डांड़गांव, तहसील उदयपुर स्थित भूमि खसरा क्रमांक 1182/4 रकबा 0.122 हेक्टेयर का औद्योगिक प्रयोजन में व्यपवर्तन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। उक्त आवेदन के संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/आपति हो तो ईश्तहार प्रकाशन के पन्द्रह दिवस के भीतर इस न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर लिखित रूप से दावा/आपति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनाक 21-11-2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
उदयपुर, सरगुजा

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)

रा.प्र.क्र. ब/121 वर्ष

ग्राम प.ह.न.

ईशतहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक आफताब आलम अंसारी पिता अजिजुल रहमाल जाति मोमीन जुलाहा निवासी ग्राम जूर प.ह.न. 09 रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पुत्र अफीफ रजा अंसारी का जन्म दिनांक 19/08/2011 को ग्राम जूर में हुई है, अज्ञानतावश जन्म पंजीयन नही करा पाया है। आवेदक अपने पुत्र अफीफ रजा अंसारी का जन्म पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत जूर को आदेशित आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 06/12/2024 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 21/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
भैयाथान
जिला सूरजपुर (छ०ग०)

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)

रा.प्र.क्र. ब/121 वर्ष

ग्राम प.ह.न.

ईशतहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक संदीप कुमार पिता सन्तराम जाति बियार निवासी ग्राम नावापारा, प.ह.न. रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पुत्र आयुष कुमार आ० संदीप कुमार का जन्म दिनांक 20/11/2009 को ग्राम नावापारा में हुई है, अज्ञानतावश जन्म पंजीयन नही करा पाया है। आवेदक अपने पुत्र आयुष कुमार का जन्म पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत नावापारा को आदेशित आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 29/11/2024 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 18/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
भैयाथान
जिला सूरजपुर (छ०ग०)

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०/अ-6/2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदिका श्रीमती संगीता अग्रवाल पति श्री राजेश कुमार अग्रवाल, निवासी पैलेस रोड़, अम्बिकापुर के द्वारा इस आशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदिका द्वारा अनावेदिका श्रीमती राशि गर्ग पति श्री विकास गर्ग, निवासी सेठ बसंतलाल मार्ग, अम्बिकापुर के स्वत्व एवं अधिपत्य की नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूमि शीट नं. 09, मोहल्ला- शीतला वार्ड, खसरा नं. 3467/4866/182 रकबा 4132.5 वर्गफीट भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र, पंजीयन दिनांक 12.08.2021 के माध्यम से क्रय किया गया है, अतः उक्त पंजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर आवेदिका द्वारा क्रयशुदा उक्त भूमि के नजूल अभिलेख में अपना नाम दर्ज कराने हेतु विक्रय पत्र की छायाप्रति, मयदस्तावेज सहित आवेदन पत्र, अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-13/12/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 25/11/2024 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्वाक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०-./अ-6/2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदिका श्रीमती संगीता अग्रवाल पति श्री राजेश कुमार अग्रवाल, निवासी पैलेस रोड़, अम्बिकापुर के द्वारा इस आशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदिका द्वारा अनावेदक श्री विकास गर्ग आ. श्री विष्णु प्रताप अग्रवाल के स्वत्व एवं अधिपत्य की नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूमि शीट नं. 09, मोहल्ला - शीतला वार्ड, खसरा नं. 3467/4866/183 में से रकबा 1567.5 वर्गफीट भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र, पंजीयन दिनांक 12.08.2021 के माध्यम से क्रय किया गया है, अतः उक्त पंजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर आवेदिका द्वारा क्रयशुदा उक्त भूमि के नजूल अभिलेख में अपना नाम दर्ज कराने हेतु विक्रय पत्र की छायाप्रति, मयदस्तावेज सहित आवेदन पत्र, अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आम्पत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 13/12/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 25/11/2024 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०-../अ-6/2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक श्री राजेश कुमार अग्रवाल आ. श्री जानकीदास अग्रवाल, निवासी वार्ड नं. 34, ब्रम्हपारा अम्बिकापुर के द्वारा इस आशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदक द्वारा अनावेदक विष्णु प्रताप अग्रवाल (कर्ता ल्वत्र) के स्वत्व एवं अधिपत्य की नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूमि शीट नं. 09, मोहल्ला- बाबूपारा, खसरा नं. 3467/4866/95 में से रकबा 1021 वर्गफीट भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र, पंजीयन दिनांक 23.01.2024 के माध्यम से क्रय किया गया है, अतः उक्त पंजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर आवेदक द्वारा क्रयशुदा उक्त भूमि के नजूल अभिलेख में अपना नाम दर्ज कराने हेतु विक्रय पत्र की छायाप्रति, मयदस्तावेज सहित आवेदन पत्र, अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-13/12/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 25/11/2024 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

धमाल संचालक के खिलाफ कोलाहल और मोटर व्हीकल एक्ट के तहत की गई कार्यवाही

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जारी गाइडलाइन और दिशा निर्देशों का पालन नहीं करने वाले डीजे व धमाल संचालकों के खिलाफ कोलाहल और मोटर व्हीकल एक्ट की धाराओं के तहत कार्यवाही के निर्देश दिए गये हैं। जिसके परिपालन में जिला प्रशासन कोलाहल उल्लंघन करने वालो पर सतत निगरानी रखी जा रही है। जिसके परिणाम स्वरूप बीते बुधवार एक धमाल वाहन की जब्ती की गई, जिसकी बुकिंग शादी समारोह के लिए की गई थी। नगर में धमाल वहान द्वारा बिना अनुमती के तीव्र ध्वनि पर स्पीकर बॉक्स का संचालन किया जा रहा था, साथ ही मानक नियम और कानूनों का उल्लंघन भी किया जा रहा था। मामला प्रकाष में आने पर सूरजपुर के राजस्व अमले द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की गई। संचालक के खिलाफ कोलाहल और मोटर व्हीकल एक्ट अधिनियम के तहत केस भी दर्ज किया गया है।

संचालक एवं आयोजक द्वारा यातायात को बाधित करते हुए मुख्य मार्ग में बारात निकालकर यातायात को बाधित किया जा रहा था, जिसके कारण आम नागरिकों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा था। साथ ही डीजे व धमाल से निकलने वाले तीव्र ध्वनि के कारण आम नागरिक एवं आसपास के रहवासियों में भी भारी आक्रोश व्याप्त किया गया। जिसके परिणाम स्वरूप कोतवाली थाना द्वारा संचालक के विरुद्ध केस दर्ज किया गया है।

आदतन अपराधी, गुंडे एवं बदमाशो के खिलाफ करें कड़ी कार्रवाई : प्रशांत

0 एसएसपी ने ली क्राईम मीटिंग 0 बोले- विवेचना में लापरवाही नहीं कि जाएगी बर्दास्त

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। अपराधों की रोकथाम, अपराधियों पर नकेल कसने व लंबित मामलों के निराकरण की स्थिति जानने और निकाल के निर्देश देने हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार ठाकुर ने जिले के सभी थाना-चौकी प्रभारी और पुलिस राजपत्रित अधिकारियों की मौजूदगी में गुरूवार को क्राईम मीटिंग ली और थाना-चौकी प्रभारियों को सख्ती से कहा कि अवैध कबाड़ सहित प्रत्येक अवैध कार्य पर रोक लगाई जावे कहीं भी अवैध गतिविधियां नहीं होनी चाहिए, ऐसी कोई सूचना मिलने पर दूसरे थाना की टीम से कार्यवाही होने की स्थिति में संबंधित थाना प्रभारी के विरूद्ध कठोर कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। उन्होंने कहा कि रात्रि गश्त को और प्रभावी बनाए, थाना प्रभारी रात्रि गश्त को अपनी मौजूदगी में हिदायत देकर रवाना करें और इसकी औचक चेकिंग हेतु राजपत्रित अधिकारियों को निर्देशित किया। साईबर क्राईम मामले में फौरन एक्शन ले ताकि ठग अपने मकसद में कामयाब न हो सके और ठगी की रकम को

होल्ड कराकर पीड़ित को राहत दिलाया जा सके। इस दौरान उन्होंने अपराधों की रोकथाम, अपराधियों पर नकेल कसने, बेहतर और विजुअल पुलिसिंग करने सहित कई महत्त्वपूर्ण निर्देश दिए साथ ही कहा कि आदतन अपराधी, गुंडे एवं बदमाश प्रवृत्ति के लोगों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करें। आगामी त्रिस्तरीय पंचायत एवं नगरीय निकाय चुनाव को लेकर सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था को बेहतर बनाए रखे, असामाजिक तत्वों में पुलिस का खौफ बनाए रखने तथा सुगम यातायात व्यवस्था के लिए पुलिस अधिकारियों को क्षेत्र में सक्रिय मौजूदगी बनाए रखने एवं नियमित रूप से पैदल गश्त व पेट्रोलिंग करने के निर्देश दिए।

प्रभारियों को लगाई फटकार

एसएसपी श्री ठाकुर ने बैठक में प्रत्येक प्रभारियों से मामला पंजीबद्ध होने, गुम इंसान व मर्ग कायमी एवं शिकायत प्राप्त होने के बाद उसके विवेचना, जांच और निराकरण के क्या-क्या प्रयास किए गए है उसकी जानकारी ली और सुस्त कार्यप्रणाली बरतने वाले प्रभारियों को कड़ी फटकार लगाई और सख्त हिदायत दी कि जल्द और विधिवत् मामलों का निराकरण कर अवगत कराए। उन्होंने प्रभारियों को कहा कि गुम इंसान व मर्ग जांच को पूर्ण गंभीरता व संवेदनशीलता से जांच करें। निगरानी, गुण्डा बदमाशों सहित असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर लगातार बनाए रखे, पूर्ण सजगता के साथ आने-जाने वाले सभी वाहनों की बारीकी से चेकिंग की जाए, गिरफ्तारी व स्थाई वारंटी तामीली के लिए विशेष अभियान चलाए, प्रतिबंधात्मक कार्यवाही में बढ़ोत्तरी करते हुए अनिवार्य रूप से बाउण्ड ओव्हर की कार्यवाही कराए, क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने हेतु सूचना तंत्र को और मजबूत करने को लेकर निर्देश दिए। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो, एसडीओपी प्रेमनगर नरेन्द्र सिंह पुजारी, डीएसपी अजाक पी.डी.कुजूर, एसडीओपी सूरजपुर नंदिनी ठाकुर, डीएसपी रितेश चौधरी, जिले थाना-चौकी प्रभारी व जिला पुलिस कार्यालय के अधिकारीगण मौजूद रहे।

सीएमपीएफओ बोर्ड की बैठक में कई मुद्दों पर हुई चर्चा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। खान भविष्य निधि संगठन के बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज की 182 वीं बैठक आज कोयला मंत्रालय के सचिव विक्रम देव दत्त की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में चेयरमैन ने रचनात्मक चर्चा की सराहना कर सीएमपीएफओ के संसाधनों का कुशल प्रबंधन सुनिश्चित करते हुए कोयला श्रमिकों के कल्याण में सुधार के लिए मंत्रालय की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। बैठक का प्राथमिक एजेंडा सीएमपीएफओ की वार्षिक लेखापरीक्षित लेखा रिपोर्ट को अपनाने पर केंद्रित था। कोयला खदान श्रमिकों के लिए समय पर संवितरण, सुदृढ़ शासन और दीर्घकालिक वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। नए भर्ती नियमों के तहत भर्ती प्रयासों पर भी अपडेट प्रदान किए गए, जिसका उद्देश्य प्रतिनियुक्ति और सीधी भर्ती के माध्यम से रिक्त पदों को भरना है। वर्तमान में सीएमपीएफओ 934 की स्वीकृत शक्ति के मुकाबले 559 कर्मचारियों के कार्यबल के साथ काम करता है। साथ ही संगठन की परिचालन क्षमता को मजबूत करने के लिए पदोन्नति भी लागू की जा रही है। जुलाई 2023 से ई-ऑफिस के कार्यान्वयन और फरवरी 2024 से पीएफ और पेंशन के ऑनलाइन निपटान सहित डिजिटल परिवर्तन पहलों की समीक्षा की गई। बोर्ड को सीएमपीएफ अधिनियम में चल रहे संशोधन के बारे में भी बताया गया, जिसका पहला मसौदा जल्द ही आने की उम्मीद है। मसौदा तैयार होने के बाद यूनियन प्रतिनिधियों और अन्य हितधारकों को प्रतिक्रिया देने के लिए आमंत्रित किए जाने की बात कही गई है। शिकायत निवारण में सुधार के प्रयासों को भी स्वीकार किया गया, जिसमें औसत निपटान समय 2022 में 27 दिनों से घटकर 2024 में 22 दिन हो गया, साथ ही लंबित पीएफ मामलों में उल्लेखनीय कमी आने की बात भी कही गई। कोयला मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त निकाय सीएमपीएफओ कोयला खदान श्रमिकों के लिए भविष्य निधि और पेंशन के प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की जानकारी दी गई।बोर्ड ने वित्तीय पारदर्शिता बढ़ाने, श्रमिक कल्याण को समर्थन देने तथा सीएमपीएफओ के परिचालन की समग्र दक्षता में सुधार लाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि की।

बैठक में कोयला मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव रूपिंदर बराड़, कोयला मंत्रालय की संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार निरुपमा कोटरू, कोयला मंत्रालय की उप महानिदेशक सुश्री संतोष, सीएमडी समेत विभिन्न श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

लिंग आधारित हिंसा को समाप्त करने हेतु कन्या विद्यालय में किया गया जागरूकता कार्यक्रम

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देशानुसार तथा महिला एवं बाल विकास के जिला कार्यक्रम अधिकारी रमेश साहू के मार्गदर्शन में गुरुवार को यहां के कन्या स्कूल में मानव अधिकार दिवस'' विश्व भर में 16 दिवसीय सक्रियता अभियान के रूप में लिंग आधारित हिंसा को समाप्त करने हेतु जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं द्वारा महिलाओं का लिंग आधार पर होने वालीं हिंसा पर आधारित नुक्कड़ नाटक किया

गया। बाल विवाह रोकने के संबंध में शपथ दिलाया गया एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित कर बालिकाओं को लिंग के आधार पर होने वाली हिंसा के लिए जागरूक किया गया। कार्यक्रम मे विद्यालय के प्राचार्य श्रीमती अनु कांण्डे समस्त शिक्षकगण महिला एवं बाल विकास विभाग से महिला संरक्षण अधिकारी श्रीमती इन्दा तिवारी, सखी वन स्टॉप सेन्टर से केंद्र प्रशासक श्रीमती विनिता सिन्हा, महिला आरक्षक श्रीमती अंजनी कश्यप, बाल संरक्षण ईकाई से सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती अंजनी साहू एवं विद्यालय के समस्त छात्राएं उपस्थित थी।

दुर्गापुर सरपंच के द्वारा बाल विवाह रोकथाम हेतु किये गए प्रयास ने दिलाई राष्ट्रीय पहचान

0 जिले के छोटे से गाँव की यह पहल देश के लिए बन गई प्रेरणादायक
0 सरपंच लाल सिंह ने राष्ट्रीय मंच पर साझा किया अनुभव

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के प्रेमनगर जनपद क्षेत्रातंर्गत ग्राम पंचायत दुर्गापुर सरपंच लाल सिंह श्याम ने अपने नवाचार और समाज सुधार के प्रयासों से राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है। उनके नेतृत्व में ग्राम पंचायत दुर्गापुर को बाल विवाह मुक्त पंचायत बनाने का अनूठा प्रयास किया गया, जिसकी गूंज अब पूरे देश में सुनाई दे रही है। 27 नवंबर को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी ने राष्ट्रीय अभियान बाल विवाह मुक्त भारत का शुभारंभ किया। इस मौके पर महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में देशभर से बाल विवाह रोकथाम के लिए किए गए नवाचारों की कहानियां साझा की गईं। छत्तीसगढ़ राज्य से सूरजपुर जिले के दुर्गापुर पंचायत के सरपंच लाल सिंह श्याम के नवाचार को इस कार्यक्रम में विशेष रूप से

चयनित किया गया। पूरे देश में मात्र एक जनप्रतिनिधि को अपना अनुभव शेयर करने का मौका मिला जो एक गर्व का विषय है। लाल सिंह श्याम ने अपने पंचायत में बाल विवाह को रोकने के लिए कई प्रभावी कदम उठाए। उन्होंने गाँव के प्रमुख लोगों के साथ नियमित बैठक आयोजित कर विवाह योग्य बालक-बालिकाओं का पंजीयन सुनिश्चित किया। विवाह के लिए आवश्यक दस्तावेजों की जाँच की गई और यदि किसी बालक की उम्र 21 वर्ष से कम या बालिका की उम्र 18 वर्ष से कम पाई जाती थी, तो उनके परिवारों को समझाकर बाल विवाह रोकने का प्रयास किया गया। साथ ही, सही उम्र में विवाह के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से पंचायत की ओर से 18 वर्ष या उससे अधिक उम्र की बालिका की शादी पर 2 हजार रुपये प्रोत्साहन राशि दी जाती है। वर्ष 2023, 24 में अब तक 14 बालिकाओं को यह प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई है। इन प्रयासों ने पंचायत में सही उम्र में विवाह के प्रति जागरूकता बढ़ाई है और पूरे दुर्गापुर पंचायत को बाल विवाह मुक्त बनाने में अहम भूमिका निभाई है। सरपंच श्री सिंह ने अपने इस नवाचार को सूरजपुर ज़िला एनआईसी कार्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राष्ट्रीय कार्यक्रम में प्रस्तुत किया। वह पूरे देश से शामिल जनप्रतिनिधियों में एकमात्र ऐसे प्रतिनिधि थे जिन्होंने अपने प्रयासों से यह उपलब्धि हासिल की। उनके इस कार्य की सराहना न केवल जिले में बल्कि पूरे देश में हो रही है। कलेक्टर एस. जयवर्धन ने श्री सिंह की प्रशंसा करते हुए अन्य पंचायतों को भी इस तरह के नवाचार करने के लिए प्रेरित किया। ज़िला कार्यक्रम अधिकारी रमेश साहू और ज़िला बाल संरक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल ने भी उन्हें शुभकामनाएं दीं। एक छोटे से गाँव की यह पहल न केवल पूरे जिले बल्कि पूरे देश के लिए प्रेरणादायक बन गई है। दुर्गापुर पंचायत के सरपंच ने यह साबित कर दिया कि सही सोच और प्रयास से बड़ी से बड़ी समस्याओं का समाधान संभव है। उनके इस प्रयास से दुर्गापुर पंचायत बाल विवाह मुक्त बनकर एक मिसाल बन गई है।

पति की फरमाईश पर मुर्गा नहीं बनाना पत्नी को पड़ा भारी

0 चूल्हे की जलती लकड़ी से बेदम पिटाई कर पत्नी को उतारा मौत के घाट
0 खड़गवां चौकी क्षेत्र की वारदात, आरोपी पति गिरफ्तार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। पति की फरमाईश पर मुर्गा नहीं बनाने की कीमत पत्नी को जान देकर चुकानी पड़ी है। नाराज पति ने चूल्हे की जलती हुई लकड़ी से बेदम पिटाई कर पत्नी को मौत के घाट उतार दिया है। हत्या की यह वारदात खड़गवां चौकी क्षेत्र के जगन्नाथपुर खपरापारा में बीती रात हुई है।

पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। घटना के संदर्भ में बताया गया है कि गुरुवार को ग्राम डुबी बड़कापारा, थाना राजपुर के भगवान दास सांडिल्य ने चौकी खड़गवां में रिपोर्ट दर्ज कराया कि इसकी लड़की पूनम टेकाम को बीती शाम मुर्गा नहीं बनाने की बात पर नाराज होकर उसका पति हीरालाल उर्फ भेंटल सिंह के द्वारा चूल्हा के जलते लकड़ी एवं हाथ मुक्का से मारपीट किया है जिससे उसकी मृत्यु हो गई। रिपोर्ट पर मर्ग कायमी उपरान्त धारा 103 भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला पंजीबद्ध कर चौकी खड़गवां पुलिस, एसडीओपी प्रतापपुर और फारेंसिक टीम

मौके पर पहुंची। मामले की सूचना पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार ठाकुर ने हत्या के आरोपी को जल्द पकड़ने के निर्देश दिए। खड़गवां पुलिस द्वारा घेराबंदी कर आरोपी हीरालाल उर्फ भेंटल सिंह 48 वर्ष जगन्नाथपुर खपरापारा को पकड़ा। पूछताछ पर उसने हत्या की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया, जिसके निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त लकड़ी जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस कार्यवाही में चौकी प्रभारी खड़गवां योगेन्द्र जायसवाल व उनकी टीम सक्रिय रही।

बच्चों के जीवन को सशक्त बनाती है शिक्षा : चेतना

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। केंद्र सरकार द्वारा बाल विवाह मुक्त भारत अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अभियान के तहत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, देवनगर में बाल विवाह और बाल संरक्षण के विषय पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को बाल विवाह की हानियों और बच्चों के अधिकारों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि यूनिसेफ से राज्य बाल संरक्षण विशेषज्ञ श्रीमती चेतना देसाई और राज्य सलाहकार अभिषेक त्रिपाठी थे। इनके मार्गदर्शन में बाल संरक्षण, शिक्षा, और बाल विवाह रोकथाम के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। यूनिसेफ़ से राज्य बाल संरक्षण विशेषज्ञ श्रीमती चेतना देसाई ने छात्रों को नारी शक्ति का महत्व बताते हुए कहा कि एक नारी देश की राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री बन सकती है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि नारी सक्षम और समर्थ है। उन्होंने सावित्री बाई फुले के उदाहरण से बच्चों को प्रेरित करते हुए बताया कि शिक्षा के लिए संघर्ष करना कितना आवश्यक है। उन्होंने

ज़िले में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत हुई कार्यशाला

कहा कि पढ़ाई न केवल बच्चों के जीवन को सशक्त बनाती है, बल्कि बाल विवाह और बाल श्रम जैसी सामाजिक बुराइयों से बचने का मार्ग भी प्रदान करती है। देसाई जी ने शाला त्यागी बच्चों को पुनः शिक्षा से जोड़ने के लिए प्रेरित किया। यूनिसेफ के राज्य सलाहकार श्री त्रिपाठी ने बच्चों को बाल विवाह के दुष्प्रभावों और उनके रोकथाम के लिए शिक्षा के महत्व पर बल दिया। उन्होंने बताया कि यदि बालिकाएं 12वीं कक्षा तक अपनी शिक्षा पूर्ण करती हैं, तो 6: बाल विवाह की दर को कम किया जा सकता है। उन्होंने बाल विवाह के कारण होने वाले शारीरिक और मानसिक प्रभावों पर प्रकाश डाला और हेल्पलाइन नंबर की जानकारी साझा की।

जिला बाल संरक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल ने बच्चों को बाल एक सामाजिक कुरीति ही नहीं बल्कि अपराध है बाल विवाह होने पर दूल्हा और उसके घर वाले बाराती घराती विवाह में शामिल होने वाले, विवाह को संपन्न कराने वाले, सहयोग करने वाले, अनुमति देने वाले सभी के ऊपर अपराध कायम होता है। उन्होंने बाल विवाह से संबंधित अन्य जानकारियों की विस्तार से बताया। श्री मानेकर ने छात्रों से अपील की कि वे बाल विवाह रोकथाम के एंबेसडर बनें और समाज में जागरूकता फैलाएं। इस कार्यक्रम में चाइल्ड हेल्पलाइन से परामर्शदाता शीतल सिंह, शिक्षक पवन धीवर विद्यालय, देवनगर के प्राचार्य, सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं, और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
लोक निर्माण विभाग (भ/स)
अम्बिकापुर, मण्डल अम्बिकापुर
निविदा निरस्तीकरण सूचना

इस कार्यालय से आमंत्रित निविदा क्रं. 121 एवं 122 दिनांक 30.10.2024 आनलाईन सिस्टम नंबर 160969 एवं 160972 में निम्नानुसार संशोधन किया जाता है।

क्र.	विवरण	पूर्ववत् तिथि	संशोधित तिथि
1	निविदा डालने की तिथि	दिनांक 26/11/2024	दिनांक 04/12/2024
2	लिफाफा प्राप्त होने की तिथि	दिनांक 28/11/2024	दिनांक 06/12/2024
3	निविदा खोलने की तिथि	दिनांक 29/11/2024	दिनांक 09/12/2024

निविदा आमंत्रण की शेष शर्तें यथावत् रहेगी।

अधीक्षण अभियन्ता
लोक निर्माण विभाग
अम्बिकापुर, मण्डल अम्बिकापुर

जी-242504095/4

कार्यालय कार्यपालन अभियंता,
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.)
ई-प्रोक्योरमेंट निविदा आंमत्रण सुचना

जिला जल एंव स्वच्छता सरगुजा की ओर कार्यपालन अभियंता सदस्य सचिव, जिला जल एंव स्वच्छता मिशन द्वारा एकीकृत पंजीयन व्यवस्था के अंतर्गत उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से ग्रेव्हल पैक नलकूप खनन कार्य हेतु पत्रक 'अ' (प्रतिशत दर) ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.0	निविदा क्रमांक	दिनाँक	सिस्टम क्रमांक	उपखण्ड	संख्या	लागत (रू. लाख में)
1	09	26/11/2024	161873	सीतापुर	114 नग	259.92
2	10	26/11/2024	161879	अम्बिकापुर,	42 नग	95.76

बिड संबमिशन की अंतिम तिथि 13.12.2024 समय :- 17:30 बजे तक।
निविदा के सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञाप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेन्ट वेब पोर्टल (https://eproc.cgstate.gov.in) में दिनाँक 29.11.2024 से देखी जा सकती है।

कार्यपालन अभियन्ता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड
अम्बिकापुर

जी-242504102/5

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 9713108088
8719000259

कोरिया फ्रंटलाइन

छत्तीसगढ़ राजभाषा दिवस पर विशेष लेख

छत्तीसगढ़ी भाखा के मान अऊ सम्मान के दिशा म एक नवा पहल

छत्तीसगढ़ी भाखा ल संजोय म मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के महत्वपूर्ण योगदानः महेन्द्र सिंह मरपच्ची

छ.ग.फ्रंटलाइन

एमसीबी। जय जोहार जय छत्तीसगढ़! आप सब मन भलीभाती जानथव कि छत्तीसगढ़ी अपन समृद्ध भाखा, संस्कृति अउ परंपरा खातिर पूरा देश म अपन अलग पहिचान बना लिहिस हे। इहा के माटी, तिहार, लोककला अउ संस्कृति जीवन जिये के तरीका म एक अलग ही मिठास झलकथे। हमर छत्तीसगढ़ के आत्मा हर जम्मों छत्तीसगढ़ियां मन के बोली अउर भाखा में बसे हे। इ भाखा म केवल बात करे के साधन नइ हे, बल्के हमर छत्तीसगढ़ियां भाई बहिनि के परंपरा, रीति-रिवाज अउ हमर संस्कृति के अमूल्य धरोहर हर झलकत हे। छत्तीसगढ़ी भाखा के सम्मान अउ प्रचार-प्रसार के खातिर हमर तत्कालिन सरकार हर 28 नवंबर के दिन ल ष्छत्तीसगढ़ राजभाषा दिवसष् बनाये के घोषणा करे रहिस। एही दिन हमर भाखा के महत्त्व ल पहिचान करे बर, अउ ओला संजोय बर, अउ नई पीढ़ी ला छत्तीसगढ़ के जम्मों इतिहास से जोड़य के अवसर आय हे। छत्तीसगढ़ राजभाषा दिवस के शुरुआत हर 28 नवंबर 2007 के होइस, जब छत्तीसगढ़ी भाषा ल आधिकारिक रूप म राज्य के राजभाषा के दर्जा मिलिस। ये ऐतिहासिक फैसला ल डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व म पूर्ववर्ती सरकार हर अपनाये रहिस ये निर्णय हर केवल भाषा के प्रचार-प्रसार के माध्यम नइ बने रहिस, बल्कि ये छत्तीसगढ़वासियन के खातिर एक गौरव के विषय बन गईस। एकर बाद छत्तीसगढ़ी भाखा ल सरकारी दफ्तर, स्कूल अउ कॉलेज म भी बढ़ाये के काम ल शुरू करे गइस।

छत्तीसगढ़ी भाखा के इतिहास, भाषा, संस्कृति अउ प्राकृत भाषा ले उभरिस हे। छत्तीसगढ़ी म लोकगीत, कहानी, कहावत अउ जनवला जइसन साहित्यिक धरोहर समेटे हावे। ये भाखा हर हमर लोकजीवन, परंपरा अउ रीति-रिवाज के सच्चा प्रतिबिंब आय। छत्तीसगढ़ी लोकगीत अउ कथा ये छत्तीसगढ़ी भाखा ल अउ जियादा सुघ्घर अउ जीवंत बनावत हे। छत्तीसगढ़ राजभाषा दिवस केवल तिहार नइ, बल्कि हमर भाखा अउ संस्कृति के जीवित रखे अउ ओकर नई ऊँचाई म पहुंचाय के संकल्प के प्रतीक आय। ये दिन पूरा छत्तीसगढ़ म अलग-अलग सांस्कृतिक अउ शैक्षणिक कार्यक्रम होथे। संगोष्ठी, निबंध लेखन, कविता पाठ, लोकगीत अउ नाटक के आयोजन घलो होथे। ये कार्यक्रम मन केवल भाषा अउ संस्कृति के प्रति जागरूकता नइ फैलाथे, बल्कि लोगन ल अपन जड़ से भी जोड़थे। आज के समय म छत्तीसगढ़ी भाखा अउ संस्कृति ल नई दिशा देहे में हमर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के बहुत बडे योगदान हे। ओकर मानना हे कि छत्तीसगढ़ी भाखा केवल संवाद के माध्यम नइ हे, बल्कि हमर छत्तीसगढ़ के आत्मा अउ पहचान आय। हमर मुख्यमंत्री के दूरदर्शी सोच अउ नीति के कारण छत्तीसगढ़ी भाषा अउ संस्कृति के संरक्षण अउ विकास के खातिर नवा जोश आइस हे।

शिक्षा म छत्तीसगढ़ी भाखा ल बढ़ावा देय बर स्कूल अउ कॉलेज के पाठ्यक्रम म छत्तीसगढ़ी साहित्य अउ संस्कृति ल सामिल करे गय हे। सरकारी दफ्तर म छत्तीसगढ़ी भाखा के उपयोग ल बढ़ाय खातिर भी जरूरी नीति लागू करे गय हे, ऐकर ले हमर राजभाषा हर छत्तीसगढ़ी म अउ मजबूत बने हे। हमर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व म छत्तीसगढ़ी साहित्य, लोकगीत अउ नाट्यकला के संरक्षण अउ विकास के खातिर विशेष योजना बनाये जाथ हे। हमर लोक कलाकार अउ साहित्यकार मन ल प्रोत्साहित देहे के खातिर कई ठन आर्थिक सहायता कार्यक्रम ल चलावत हे। छत्तीसगढ़ी साहित्य अकादमी के स्थापना, साहित्यिक मेला अउ डिजिटल प्लेटफॉर्म में छत्तीसगढ़ी भाखा के प्रोत्साहन, ल आगे बढ़ाये के प्रयास करत हे। राजभाषा दिवस के कार्यक्रम मन लोगन ल अपन भाषा अउ संस्कृति के महत्त्व ल समझावत हे। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय मानथें कि हमर भाषा अउ संस्कृति हमर राज्य के एकता अउ पहचान ल मजबूत करथे। छत्तीसगढ़ राजभाषा दिवस हर हम सबला ये बात के याद दिलाथे कि भाषा अउ संस्कृति कोनो भी समाज के आत्मा होथे। जऊन समाज अपन भाखा अउ संस्कृति ल जिंदा रखथे, वही समाज हर अपन पहचान ल बनाय राखथे। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व म छत्तीसगढ़ी भाखा अउ संस्कृति ल नई ऊँचाई मे पहुंचाय के प्रयास हे छत्तीसगढ़िया बर गौरव के बात आय कि आज ये अवसर म हम सबला ये संकल्प लेना चाही कि अपन भाखा अउ संस्कृति ल केवल संरक्षित करबो, बल्कि हमर बोली भाखा ल अगली पीढ़ी तक पहुंचाय के जिम्मेदारी ला भी निभाबो। छत्तीसगढ़ी भाखा हमर राज्य के आत्मा अउ सांस्कृतिक गौरव के प्रतीक आय। ऐला सहेजे अउ सम्मान करे बर हमर हर छत्तीसगढ़ियां के जिम्मेदारी हर आय। हम सब मिलके अपन-अपन प्रयास से अपन धरोहर ल अउ मजबूत बनाय बर काम करबो।

शासकीय आदर्श उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जशपुर में मनाया गया संविधान दिवस

छ.ग.फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। शासकीय आदर्श उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जशपुरनगर में संविधान दिवस पूरे जोश और उत्साह के साथ मनाया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान कुंडली, सोनीपत हरियाणा द्वारा अपने प्रमुख कार्यक्रम, ग्राम दत्तक ग्रहण कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित किया गया था।

इस अवसर पर निफ्टेम कुंडली के वीएपी के मेंटर प्रो. प्रसन्न कुमार ने कहा कि संविधान दिवस हर साल 26 नवंबर को मनाया जाता है, जिस दिन 1949 में भारत का संविधान अपनाया गया था। यह अंततः 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ, जब भारत एक गणतंत्र बना। यह दिन संविधान के सिद्धांतों और लोकतंत्र के महत्व को फिर से स्थापित करने का दिन है। उन्होंने कहा कि यह भारत के नागरिकों को अपने नागरिक कर्तव्यों में संलग्न होने और देश के सभी लोगों के लिए एक निष्पक्ष, समावेशी और समान समाज बनाने की दिशा में काम करने का निर्देश देता है। इससे पहले विद्यालय के सभी विद्यार्थियों को भारतीय संविधान की प्रस्तावना से अवगत कराया गया तथा मूल्यों को आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य खान वक्कारूज़मां खां ने संविधान दिवस मनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को भारतीय संविधान में व्यक्त मौलिक मूल्यों को आत्मसात करने का सुझाव दिया तथा भारतीय लोकतंत्र को मजबूत बनाने में अपनी उचित भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने भारतीय संविधान में निहित मौलिक कर्तव्यों के बारे में भी जागरूकता पैदा की। निफ्टम, कुंडली की वीएपी टीम ने विद्यार्थियों को दैनिक जीवन में स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डाला तथा विद्यार्थियों से महात्मा गांधी के आत्मनिर्भर, समावेशी तथा स्वच्छ भारत के सपने को साकार करने का आह्वान किया। स्थानीय कृषि, बागवानी तथा लघु वनोपज के प्रसंस्करण तथा मूल्य संवर्धन तथा खाद्य क्षेत्र में उद्यमिता में वोकल फॉर लोकल का समर्थन करने के निफ्टम के अधिदेश के बारे में भी विद्यार्थियों को समझाया गया। इस कार्यक्रम में स्कूल की संकाय सदस्य श्रीमती ग्लोरिया लकड़ा, श्रीमती अमृता अम्बष्ट, श्रीमती श्वेता दूबे, श्रीमती सुनीता केरेकेट्टा, श्रीमती पूनम साव, खुशबू गुप्ता आदि ने भाग लिया।

धान खरीदी केंद्रों पर व्यवस्थाओं का रखें विशेष ध्यानः कलेक्टर

बच्चों और छात्रों के लिए प्रमाण पत्र बनाने की प्रक्रिया को करें तेज

- अंत्यावसायी ऋण वसूली में तेजी लाने के निर्देश

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में विभिन्न विभागों की समीक्षा करते हुए धान खरीदी केंद्रों की व्यवस्थाओं को लेकर सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए और नोडल अधिकारी हर शनिवार को व्यवस्थाओं का ऑनलाइन अपडेट दें। कलेक्टर ने एसडीएम और तहसीलदारों को धान खरीदी केंद्रों का नियमित निरीक्षण करने और अवैध धान परिवहन, भंडारण पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए। साथ ही, किसी भी गड़बड़ी की स्थिति में त्वरित कार्रवाई करने को कहा। कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देश दिए कि जन्म के साथ ही जाति, निवास और आय प्रमाण पत्र बनाने की प्रक्रिया शुरू करें। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों और स्कूलों में छात्रों के प्रमाण पत्र बनाने और अपार (ऑटोमेटेड परमानेंट उकेडमिक अकाउंट रजिस्ट्री) आईडी कार्ड बनाने का कार्य शीघ्र पूरा करने के आदेश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि लंबे समय से अनधिकृत रूप से अनुपस्थित कर्मचारियों पर कार्रवाई की जाएगी और इसकी रिपोर्ट शासन को भेजी जाएगी। अंत्यावसायी विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने तहसीलदारों को निर्देशित किया कि जो हितग्राही समय पर ऋण राशि जमा नहीं कर रहे हैं, उनसे शीघ्र वसूली की जाए। कलेक्टर ने पशु चिकित्सा विभाग को निर्देश दिया कि सड़कों और चौराहों पर घूम रहे आवारा मवेशियों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट करें और उनके लिए चारे-पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों से कहा कि नामांतरण, बंटवारा और फौती जैसे प्रकरणों का निपटारा शीघ्र करें। उन्होंने जनदर्शन, पीजी पोर्टल और जिला स्तरीय शिविरों में प्राप्त आवेदनों का समय पर निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन अभियान को नियमित करने और नगरीय क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान को गति देने का निर्देश भी बैठक में दिया गया। इस बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी,अपर कलेक्टर अरुण कुमार मरकाम, श्रीमती अंकिता सोम और अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

विशेष ग्रामसभा का आयोजन 1 दिसंबर तकः कलेक्टर

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने बैकुंठपुर विकासखण्ड के सभी ग्राम पंचायत मुख्यालयों में 1 दिसंबर 2024 तक विशेष ग्रामसभा आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। यह सभा छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम 1993 की धारा 129 ख (3) के तहत संचालित होगी। कलेक्टर ने निर्देश दिया है कि ग्राम सचिव द्वारा सरपंच, पंच को अवगत कराएं, पंचायत में इस बाबत सूचना चस्पा करें और ग्रामसभा में गणपूर्ति सुनिश्चित करें और सदस्यों की शत-प्रतिशत उपस्थिति हो। ग्रामसभा की सफलता की जिम्मेदारी इन्हीं पदाधिकारियों पर होगी। ग्रामसभा में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, शाला के प्रधान पाठक, उचित मूल्य दुकान के संचालक, रोजगार सहायक, स्वास्थ्य मितान, पटवारी, विकलांग मितान, सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान के कर्मचारी की उपस्थिति सुनिश्चित की गई है। ग्रामसभा के आयोजन का मुख्य उद्देश्य पंचायत के विकास कार्यों और सरकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करना है। इसके साथ ही गांव की समस्याओं का समाधान निकालने और शासन की नीतियों को ग्रामीणों तक पहुंचाने पर भी जोर दिया जाएगा। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि ग्रामसभा की कार्यवाही को सुनियोजित और प्रभावी बनाया जाए, ताकि यह ग्रामीण विकास में सार्थक भूमिका निभा सके।

ग्राम सभा की बैठक में इन एजेण्डों पर होगी चर्चा

विगत तिमाही के आय-व्यय की समीक्षा एवं अनुमोदन, पिछली छःमाही में विभिन्न योतनाओं से स्वीकृत कार्य, अद्यतन स्थिति, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना, ग्रामीण परिवारों द्वारा रोजगार की मांग तथा उपलब्ध कराये गये रोजगार की स्थिति, सामाजिक सहायता कार्यक्रम अंतर्गत संचालित पेंशन योजनाओं का सामाजिक अंकेक्षण एवं हितग्राहियों का सत्यापन, पचायतों द्वारा वितरित खाद्यान्न एवं उसके लाभान्वितों के नामों का वाचन, जन्म, मृत्यु एवं विवाह पंजीयन से संबंधित प्रकरणों के लंबित, निराकृत एवं वितरित प्रमाण पत्रों की जानकारी, मौसमी बीमारियों के निदान एवं निवारण पर चर्चा, पंचायतों के वर्तमाण पदाधिकारियों तथा अधिकारी एवं कर्मचारियों जिनसे पंचायतों के लेखा/हिसाब लेना, राज्य के समस्त सड़कों पर, मवेशियों (आवारा एवं पालतू) के कारण हो रहे दुर्घटनाओं में जान-माल की क्षति को रोकने हेतु, उस ग्राम पंचायत क्षेत्र से गुजरने वाली समस्त सड़कों के संबंध में सभी संभव उपायों एवं प्रभावी व्यवस्था की चर्चा करना, आमजनों में जागरूकता बढ़ाना एंव अपने मवेशियों को सड़क पर खुले नहीं छोड़ने का संकल्प पारित करना तथा सड़को पर खुला छोड़े जाने पर छत्तीसगढ़ पंचायत अधिनियम 1993 के प्रावधानों के तहत जुर्माना/शास्ति अधिरोपित करना। शौचालन विहीन पात्र परिवारों का चिन्हांकन एवं पसत्र परिवारों की सूची तैयार करना, स्वच्छग्रही समूहों के माध्यम से घर-घर एवं संस्थाओं से कचरा संग्रहण एवं प्रबंधन पर चर्चा एवं स्वच्छता शपथ, तंबाखु मुक्त दिवस अंतर्गत स्वास्थ्य एवं पोषण का स्तर, एनिमिया का रोकथाम, बौद्धिक विकास के संबंध में, बाल विवाह मुक्त भारत अभियान को सफल बनाना, बैकुण्ठपुर व शिवपुर चर्चा निवेश क्षेत्र में सम्मिलित नये ग्राम पंचायत ओड़गी क्षेत्रफल 370.354 हेक्टेयर व सलका क्षेत्रफल 378.050 हेक्टेयर का निवेश क्षेत्र पुनर्गठन हेतु उक्त ग्राम पंचायतों के ग्राम सभाओं में अनुमोदन आदि विषयों पर चर्चा की जाएगी।

2 दिसंबर तक होगा एकीकृत किसान पोर्टल में पंजीयन एवं संशोधन

बैकुंठपुर। छत्तीसगढ़ शासन के कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा खरीफ वर्ष 2024 के लिए एकीकृत किसान पोर्टल में पंजीयन एवं पंजीकृत फसल/रकबे में संशोधन के लिए 2 दिसंबर 2024 तक का समय बढ़ा दिया गया है। पहले यह प्रक्रिया 1 जुलाई से 31 अक्टूबर तक निर्धारित थी, जिसे 25 नवंबर तक बढ़ाया गया था। अब किसानों को पंजीयन और संशोधन के लिए अतिरिक्त समय दिया गया है। वनाधिकार पट्टा धारक, वनग्राम एवं असर्वेक्षित ग्राम के किसान। संस्थागत, रेगहा, बटाईदार, लीज पर खेती करने वाले। डुबान क्षेत्र के कृषक। कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी ने जिले के सभी तहसीलदारों को निर्देश दिया है कि वे अपने लॉगिन का उपयोग कर इस प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण करें। साथ ही, अधीनस्थ कर्मचारियों को किसानों की मदद के लिए तैयार रहने का आदेश दिया गया है।

बोर्ड परीक्षा में 100 प्रतिशत परिणाम लाने को लेकर कोरिया और एमसीबी में प्राचार्यों की बैठक आयोजित

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) सलका में आज कोरिया और एमसीबी जिलों के हाई और हायर सेकेंडरी स्कूलों के प्राचार्यों की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सरगुजा संभाग के संयुक्त संचालक शिक्षा हेमंत उपाध्याय ने की। इस दौरान बोर्ड परीक्षा में 100 प्रतिशत परिणाम सुनिश्चित करने और मेरिट सूची में स्थान पाने के लिए विशेष रणनीति बनाई गई। बैठक में जिला प्रशासन द्वारा तैयार उत्थान 2025 कार्ययोजना पर चर्चा हुई। इसके तहत सभी विद्यालयों की नियमित मॉनिटरिंग, इकाई मूल्यांकन और पाठ्यक्रम की समीक्षा की जा रही है। साथ ही, 13 दिसंबर 2024 से छमाही परीक्षा बोर्ड पैटर्न पर आयोजित की जाएगी। छात्रों को बोर्ड परीक्षा के प्रश्न पत्र का ब्लू प्रिंट समझाया

जाएगा।10 जनवरी 2025 तक सभी विद्यालयों में पाठ्यक्रम पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। जनवरी में प्री-बोर्ड परीक्षा आयोजित की जाएगी। तीन प्रश्न पत्र तैयार होंगे और छात्रों की कमजोरियों को सुधारने पर फोकस रहेगा। शिक्षकों की कमी वाले विद्यालयों में नव नियुक्त शिक्षकों का सहयोग लिया जाएगा। कम उपस्थिति वाले छात्रों के अभिभावकों से संपर्क कर उन्हें विद्यालय आने के लिए प्रेरित किया जाएगा। बैठक में 4 दिसंबर 2024 को होने वाली परख परीक्षा की तैयारी पर भी विचार-विमर्श हुआ। यह परीक्षा कक्षा 3, 6 और 9 के छात्रों के लिए होगी, जिसका उद्देश्य शिक्षा की गुणवत्ता का मूल्यांकन करना है। संयुक्त संचालक शिक्षा ने कहा कि इन प्रयासों से छात्रों की शिक्षा में गुणात्मक सुधार होगा और बोर्ड परीक्षा में शत-प्रतिशत सफलता सुनिश्चित की जा सकेगी। जिला शिक्षा अधिकारी, जिला मिशन समन्वयक, विकासखंड शिक्षा अधिकारी, और हाई व हायर सेकेंडरी स्कूलों के प्राचार्य बैठक में उपस्थित थे।

जिले स्तरीय आधार ऑपरेटर्स का प्रशिक्षण हुआ आयोजित

छ.ग.फ्रंटलाइन. जशपुरनगर। जिला कार्यालय के मंत्रणा सभागार में चिप्स कार्यालय अन्तर्गत संचालित समस्त आधार केंद्रों के ऑपरेटर्स को ज़िला स्तरीय प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण, भारत सरकार, यूआईडीएआई अथॉरिटी के प्रतिनिधि के द्वारा आधार पंजीकरण एवं आधार कार्ड में सुधार हेतु नियमों एवं दस्तावेजों में किए गये बदलाव के बारे में जानकारी दी गई। वर्तमान में नये आधार पंजीकरण एवं आधार में त्रुटि सुधार हेतु नये दस्तावेजों की सूची जारी किया गया है। जिसके बारे में ज़िले के आधार ऑपरेटर्स के समस्यायों का समाधान किया गया। सूचना प्रौद्योगिकी विभाग अन्तर्गत संचालित समस्त केंद्रों को प्रत्येक नागरिकों को किए गए आधार कार्य की ऑनलाईन पावती अनिवार्य रूप से प्रदान किए जाने हेतु कड़ी हिदायत दी गई और नागरिकों से नियमानुसार निर्धारित शुल्क लिए जाने के लिए कहा गया है। उससे अधिक शुल्क लेने वाले केन्द्र पर कड़ी कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया गया। प्रशिक्षण में जानकारी देते हुए बताया गया कि निजी केंद्रो में आधार संबंधित कार्य जिसमे नये आधार कार्ड बनाये जाने, बायोमेट्रिक अद्यतन, डेमोग्राफिक अद्यतन एवं आधार कार्ड में सुधार संबंधित कार्यो को अनुमति प्राप्त शासकीय कार्यालय में ही किया जाना है। बिना अनुमति के कोई भी केंद्र यदि अपने निजी केंद्र अथवा प्राइवेट भवन में आधार का कार्य करता है तब नियमानुसार कार्यवाही ऑपरेटर पर किया जाएगा। नागरिकों को आधार कार्ड में दो तरह के अद्यतन की सुविधा होती है, जिसमे बायोमेट्रिक अद्यतन एवं डेमोग्राफिक अद्यतन कराया जा सकता है। बायोमेट्रिक अद्यतन के अन्तर्गत फिंगर प्रिंट, आईरिस एवं फोटो आता है। डेमोग्राफिक अद्यतन में नागरिक अपने नाम, जेंडर, जन्मतिथि, माता- पिता, पति का नाम, पता, मोबाइल नंबर एवं ई-मेल आईडी अद्यतन करवा सकते है। यूआईडीएआई अथॉरिटी के प्रतिनिधि के द्वारा जानकारी दिया गया की किसी भी नागरिक के आधार कार्ड में जन्मतिथि में सुधार केवल एक बार और नाम में किसी भी प्रकार का सुधार अथवा बदलाव केवल दो बार ही मान्य होगा। जन्म तिथि में सुधार हेतु केवल क्यूआर कोड प्रदर्शित ऑनलाइन जारी किए गये जन्म प्रमाण पत्र को ही मान्य किया गया है। जन्म प्रमाण पत्र को आधार ऑपरेटर के द्वारा प्रथम स्तर पर जाँच किया जाना अनिवार्य होगा। इसके पश्चात यूआईडीएआई जाँच टीम के द्वारा पुनः जन्म प्रमाण पत्र की जाँच किया जाएगा। यदि जानकारी सही पाया गया, तब सुधार की प्रक्रिया को पूर्ण किया जाएगा। आधार कार्ड में नाम सुधार के लिए केवल मान्य फोटो परिचय पत्र, 10वी की अंकसूची को मान्य किया गया है। यदि किसी स्थिति में आधार कार्ड में नाम अथवा उपनाम का बदलाव हो रहा है तब नाम बदलने हेतु केवल छत्तीसगढ़ अथवा भारत सरकार का राजपत्र को ही मान्य किया गया है। भारतीय विशष्ट पहचान प्राधिकरण के नियमानुसार नागरिक अपने आधार कार्ड में जन्मतिथि का सुधार केवल एक बार ही करवा सकते है। इसके बाद आधार सॉफ्टवेर सिस्टम इसको लॉक कर देता है एवं पुनः जन्मतिथि में सुधार संभव नहीं होता है। इसी अनुसार नागरिक अपने नाम में अधिकतम दो बार सुधार करवा सकते है इसके बाद सॉफ्टवेर सिस्टम इसको भी लॉक कर देता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व ऑफसेट पुराना पोस्ट ऑफिस रोड दरीपारा अम्बिकापुर (छ.ग.) पिन नं. 497001 से मुद्रित व महलपारा बैकुण्ठपुर से प्रकाशित। संपादक- कमलेश शर्मा